Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)
Core Course - (DSC)-1
कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एंव निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1 (15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

.....

किहि थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

.....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह् हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।

दे कमान चौहान कौं। साहि दियै कछु दान।।

बानबेध समय

पद्धरी (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उभ्भरे अंग अंतर विराज।।

.....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय

कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

.....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम।।

Unit 2 (15 घंटे)

विद्यापति – सं. डॉ. षिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद)

वंषी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

.....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

रूप वर्णन

- देख–देख राधा–रूप अपार

.....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

पद–14

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

.....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद–24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

.....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3 (15 घंटे)

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)
साखी : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक
विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45
पद संख्या – 378,400

Unit 4 (15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

Core Course - (DSC)-2

कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विष्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्वति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)

आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3 (15 घंटे)

भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्षनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4 (15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ

1. रीतिबद्व और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिषाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्षन – नलिन विलोचन षर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods
असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
कहानी विष्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विष्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विष्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विष्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेष्वर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)
तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)
दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाषित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by Department of Hindi
Category-IV

हिंदी का वैष्विक परिदृष्य

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैष्विक परिदृष्य	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा.कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

• स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा

• वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1 (15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट.प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट
Keywords
पारिभाषित शब्दावली
Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी
सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1 (15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय
1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2 (15 घंटे)
सिनेमा अध्ययन
1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3 (15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक
1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिषाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देषन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेष्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाषन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजषास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की मॉग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृष्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)
प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)
अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रषासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghubir
Oxford Hindi – English Dictonary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

Category I

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 1: (जनसंचार माध्यम)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनसंचार माध्यम	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की वृहद जानकारी प्रदान करना।
- जनमाध्यमों के द्वारा भारतीय ज्ञान-परम्परा का प्रसार करना।
- समाज पर प्रिंट- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों के प्रभाव का अध्ययन।
- जनमाध्यमों की कार्यशैली का परिचय कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- जनमाध्यमों की तकनीक एवं प्रक्रिया संबंधी समझ विकसित होगी।
- छात्रों के संचार कौशल में वृद्धि होगी।
- सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यों द्वारा रोज़गारपरक संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- भारतीय ज्ञान परम्परा की समझ से छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।

SYLLABUS OF DSC-1

UNIT – I संचार और जनसंचार **(12.5 hours)**

- संचार- अर्थ परिभाषा, महत्त्व, संचार के प्रकार

- जनसंचार - अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, संचार और जनसंचार का अंतर
- संचार की प्रक्रिया एवं प्रतिपुष्टि

UNIT – II जनमाध्यम **(12.5 hours)**

- जनमाध्यम- अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
- जनमाध्यमों के कार्य, प्रभाव और अपेक्षाएँ
- सामाजिक परिवर्तन और जनमाध्यम

UNIT – III मुद्रित माध्यम **(12.5 hours)**

- मुद्रित माध्यम - सामान्य परिचय, समाचार पत्र और पत्रिकाओं का स्वरूप
- समाचार संकलन, प्रस्तुति एवं रिपोर्ट-लेखन
- मुद्रित माध्यमों का संगठन एवं स्वामित्व

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक माध्यम **(12.5 hours)**

- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के विविध रूप - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली - रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इन्टरनेट आधारित मीडिया
- समाज और संस्कृति के विकास में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भूमिका

Practical component (25 hours)

- किसी विषय/ क्षेत्र से जुड़ी पत्रिका की सामग्री का अध्ययन।
- रेडियो के किसी कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का समीक्षात्मक विश्लेषण।
- ई-पत्र-पत्रिका अथवा न्यूज़ पोर्टल की सामग्री का अध्ययन।
- टेलीविजन के किसी एक कार्यक्रम का सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव की दृष्टि से अध्ययन।

Essential/recommended readings

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन

2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, डॉ. संजीव भानावत, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन जयपुर
3. संचार सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, के. एल. पचौरी प्रकाशन
4. पत्रकारिता के विविध रूप, रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
5. समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया, सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान, भारतीय जनसंचार संस्थान प्रकाशन
6. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी, डी. डी. ओझा, ज्ञानगंगा प्रकाशन
7. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, रेमंड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
8. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप और मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 2: हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिंदी पत्रकारिता का इतिहास	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका के प्रति समझ विकसित करना।
- स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के योगदान से अवगत कराना।
- हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न कालखंडों के मूल्यों से परिचित कराना।
- भारतीय बोध के विकास में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व की जानकारी देना।
- भारतीय स्वतंत्रता सेनानी पत्रकारों, साहित्यकारों और संपादकों के अवदान से परिचित कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास एवं विकास के प्रति समझ विकसित होगी।
- आज़ादी की लड़ाई में हिंदी पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित होंगे।
- स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पत्रकारिता में आए मूल्य परिवर्तन से अवगत होंगे।
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भारतीय बोध का ज्ञान होगा।

SYLLABUS OF DSC- 2

UNIT – I स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पूर्व की भारतीय पत्रकारिता का सामान्य परिचय
- स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका एवं सामाजिक प्रभाव
- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियां

UNIT – II स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- स्वतंत्रता पश्चात हिंदी पत्रकारिता का विकास एवं स्वामित्त्व
- आजादी के बाद जनतंत्र व विकास की चुनौतियां
- आपातकाल : प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल

UNIT – III आपातकाल के बाद की हिंदी पत्रकारिता। (12.5 hours)

- राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन और हिंदी पत्र-पत्रिकाएं
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की हिंदी पत्रकारिता
- हिंदी पत्रकारिता की समाचार सामग्री

UNIT – IV भूमंडलीकरण के बाद की हिंदी पत्रकारिता (12.5 hours)

- भूमंडलीकरण और हिंदी पत्रकारिता - हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां एवं ज्वलंत मुद्दे
- हिंदी पत्रकारिता का व्यवसायीकरण - विज्ञापन और पत्रकारिता का संबंध, पेड न्यूज, ब्रेकिंग न्यूज़, इन्फोटेनमेंट
- डिजिटलीकरण, ऑनलाइन हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

Practical component (25 hours)

- स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका पर रिपोर्ट, फीचर, लेख तैयार करना।

- पत्रकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और संपादकों पर रिपोर्ट, लेख, फीचर लेखन।
- स्वतंत्रता सेनानी पत्रकार, संपादकों पर ब्लॉग लेखन, यूट्यूब वीडियो, पॉडकास्ट, वृत्तचित्र तैयार करना।
- प्रेस के संदर्भ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आपातकाल पर परियोजना कार्य।

Essential/recommended readings

1. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम, डॉक्टर वेद प्रताप वैदिक, हिंदी बुक सेंटर
2. हिंदी पत्रिका का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन
3. भारत में प्रेस, जी. एस. भार्गव, नेशनल बुक ट्रस्ट
4. भारत की समाचारपत्र क्रांति, रॉबिन जेफरी, भारतीय जनसंचार संस्थान
5. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. अम्बेडकर, गांधी और हिंदी दलित पत्रिका, अनामिका प्रकाशन, श्यौराज सिंह बेचैन
7. हिंदी पत्रकारिता और भूमंडलीकरण, विजेंद्र कुमार, नटराज प्रकाशन
8. पत्रकारिता के नए परिप्रेक्ष्य, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
9. भारतीय पत्रकारिता का इतिहास, जे. नटराजन, प्रकाशन विभाग
10. भारत में जनसंचार, केवल जे. कुमार, जैको पब्लिकेशन हाउस
11. भारत में प्रेस, जी. सी. भार्गव, नैशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE – 3: भारतीय समाज और संचार

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय समाज और संचार	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय समाज एवं संस्कृति की समझ विकसित करना।
- भारत की दर्शन, धर्म की विरासत से परिचित कराना
- भारतीय साहित्य एवं कला से अवगत कराना।
- भारतीय भाषाओं और भारतीय जनमानस के अंतरसंबंधों की पड़ताल करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारत की सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित होगी।
- छात्रों में भारतीय समाज की संरचना और मूल्य व्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित होगा।
- भारतीय धर्म, दर्शन और कलाओं की विरासत से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत के भाषिक वैविध्य के ज्ञान एवं सौंदर्य से अभिभूत होंगे।

SYLLABUS OF DSC-3

UNIT – I भारतीय समाज (12.5 hours)

- भारतीय समाज का स्वरूप
- भारतीय समाज की मूल्य-व्यवस्था- पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय
- भारतीय समाज की चुनौतियां और संभावनाएं

UNIT – II भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति (12.5 hours)

- भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएं
- प्रमुख धर्म : सामान्य परिचय
- प्रमुख भारतीय दर्शन

UNIT – III भाषा, साहित्य और कलाएँ (12.5 hours)

- प्रमुख भारतीय भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- महाभारत और रामचरित मानस का सामान्य परिचय
- प्रमुख कलाएँ : वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत

UNIT – IV संचार की भारतीय परंपरा (12.5 hours)

- लोकगीत, लोककथा

- लोकनृत्य, लोकनाट्य
- पारंपरिक भारतीय जनसंचार (पर्व, मेले, नुक्कड़ नाटक, कठपुतली आदि)

Practical component (25 hours)

भारतीय धर्म और दर्शन से सम्बंधित महत्त्वपूर्ण ग्रंथों पर रिपोर्ट लेखन

1. किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिपोर्टिंग
2. किसी लोकनाट्य को देखना और उसका समीक्षात्मक लेखन
3. भारतीय समाज की किसी समस्या पर समाधानपरक मौलिक लेख लिखना
4. चयनित विषयों पर समूह चर्चा और परियोजना कार्य
5. प्रमुख कालजयी रचनाओं की प्रासंगिकता पर लेखन/समूह चर्चा
6. लोकनाट्य के रूप में रामलीला और रासलीला का जनसमाज पर पड़ने वाले प्रभाव का सर्वेक्षण एवं लेखन

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, साहित्य अकादमी
2. भारतबोध का नया समय, प्रो. संजय द्विवेदी, यश प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय कला एवं संस्कृति, वासुदेव शरण अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन
4. लोक साहित्य की भूमिका, कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
5. मानवमूल्य और साहित्य, धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
6. संचार और विकास, श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग, सूचना व प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार
7. बुद्धिस्ट कम्युनिकेशन थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन
8. को-कल्चरल थ्योरी - एनसाइक्लोपीडिया ऑफ कम्युनिकेशन थ्योरी, सेज पब्लिकेशन

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE) COURSES OFFERED BY THE DEPARTMENT for HJMC Course

Category - IV

GENERIC ELECTIVES (GE-1) संस्कृति, साहित्य और मीडिया

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
संस्कृति, साहित्य और मीडिया	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया की आपसी समझ विकसित करना।
- भूमंडलीकरण के पश्चात मीडिया में आए बदलावों की समीक्षा करना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों संबंधी मीडिया कवरेज का अध्ययन कराना।
- विभिन्न भारतीय परिवेश, कल्चर, सत्ता एवं राजनीति की समझ पैदा करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय पत्रकारिता के परिवेश की समझ विकसित होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विचारों के प्रति समझ विकसित होगी।
- भारतीय संस्कृति, साहित्य और मीडिया के अंतरसंबंधों की समझ विकसित होगी।

SYLLABUS OF GE-1

UNIT – I संस्कृति अर्थ व अवधारणा (12.5 hours)

- संस्कृति की अवधारणा, सभ्यता और संस्कृति
- लोक संस्कृति, पॉपुलर कल्चर, संस्कृति और सत्ता, संस्कृति और राजनीति
- संस्कृति और हाशिये का समाज, इन्टरनेट और सूचना संस्कृति

UNIT – II प्रिंट मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता का अन्तर्संबंध
- हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में साहित्य की स्थिति
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों का परिचय

UNIT – III हिन्दी मीडिया और संस्कृति (12.5 hours)

- मीडिया और संस्कृति के अन्तर्संबंध
- मीडिया का बाजार और संस्कृति
- विज्ञापन का सांस्कृतिक वर्चस्व और भाषायी संकट

UNIT – IV इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और साहित्य (12.5 hours)

- रेडियो और टेलीविज़न के साहित्य आधारित कार्यक्रम
- साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपान्तरण
- साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ एवं साहित्यिक वेबसाइट्स

Practical component (25 hours)

- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव का सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना
- साहित्य आधारित किन्हीं दो फिल्मों का अध्ययन व उनकी समीक्षा
- साहित्य आधारित किसी टेलीविजन धारावाहिक की समीक्षा
- हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक पत्रकारों की सूची व उनके अवदान पर एक परियोजना कार्य
- फिल्म पूरब-पश्चिम, मदर इंडिया, परदेश, मशाल, पेज-थ्री, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी आदि का समीक्षात्मक विश्लेषण

Essential/recommended readings

1. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन
2. मानव और संस्कृति, श्यामाचरण दुबे, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत, प्रहलाद अग्रवाल, साहित्य भंडारी
4. हिंदी साहित्य और सिनेमा, विवेक दुबे, संजय प्रकाशन
5. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
6. मीडिया में सामाजिक लोकतंत्र की तलाश, श्यौराज सिंह बेचैन, अनामिका प्रकाशन
7. संस्कृति, जनसंचार और बाज़ार, नन्द भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन

GENERIC ELECTIVES (GE-2) फोटो पत्रकारिता

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department offering the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
फोटो पत्रकारिता	4	3		1			

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता की समझ विकसित करना।
- व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान देना।
- फ़ोटोग्राफ़ी के रचनात्मक पहलुओं का ज्ञान कराना।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में फ़ोटो के उपयोग एवं महत्त्व से अवगत कराना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- फ़ोटो पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा।
- छात्रों में रोज़गार उन्मुख कौशल विकसित होगा।
- छात्र विषय, माध्यम एवं प्रकृति के अनुरूप फ़ोटोग्राफ़ी सम्बन्धी तकनीकी कौशल विकसित होगा।
- छात्र 'प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में फ़ोटो शूट प्रविधि में प्रशिक्षित होंगे।

SYLLABUS OF GE-2

UNIT – I फोटो पत्रकारिताः परिचय (12.5 hours)

- फोटो पत्रकारिता का स्वरूप एवं फोटो पत्रकार के गुण
- फोटोग्राफी के मूलभूत सिद्धांत
- फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र एवं संभावनाएँ

UNIT – II फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष (12.5 hours)

- फोटो शूट प्रविधि - प्रकाश - व्यवस्था स्टूडियो के अंदर और बाहर
- फोटोग्राफी : कैमरा, सम्पादन, स्पैशल इफेक्ट्स
- शॉट्स के प्रकार - रोल कैमरा, फ्रेम, शॉट, कैमरा एंगल, वाइड शॉट, लॉन्ग शॉट, मिड शॉट, क्लोज शॉट, डिजीटल कैम क्लोज अप शॉट, एक्सट्रीम क्लोजअप शॉट, टू, शॉट, ओवर द शोल्डर शॉट, मूबिंग शॉट, रिवर्स शॉट, ट्रैकिंग शॉट, जूम शॉट पेन शॉट, टिल्ट शॉट, टिल्ट एड पैन शॉट, लो एंड हाई एगल शॉट स्टॉक शॉट प्वाइंट ऑफ व्यू फेरिंग

UNIT – III फोटोग्राफी का रचनात्मक पक्ष (12.5 hours)

- फोटोग्राफी का कलात्मक रूप
- फोटोग्राफी रिसर्च एवं समीक्षा
- फीचर, समाचार, रिपोर्ताज और डॉक्यूमेंट्री में फोटोग्राफी का महत्त्व

UNIT – IV फोटोग्राफी का क्षेत्र और संपादन (12.5 hours)

- विभिन्न माध्यमों के लिए फोटोग्राफी
- फोटोग्राफी के प्रकार
- फोटोग्राफी और वीडियो सम्पादन

Practical component (13- 14 Week)

- खेल या पर्यटन से सम्बंधित 10 फोटो का निर्माण।

- प्रिंट मीडिया के लिए फोटोशूट और कैप्शन तैयार करना।
- आउटडोर शूटिंग और पर्यटन डॉक्यूमेंट्री तैयार करना।
- किसी एक फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण और साक्षात्कार के आधार पर एक परियोजना कार्य तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक विषय पर फोटो डाक्यूमेंट्री तैयार करना।

Essential/recommended readings

1. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता, ओम गुप्ता, कनिष्क प्रकाशन
2. संचार और फोटो पत्रकारिता, रमेश मेहरा, तक्षशिला प्रकाशन
3. फोटो पत्रकारिता, नवल जायसवाल, सामयिक प्रकाशन
4. प्रकाश लेखन और फोटो पत्रकारिता, गुलाब कोठारी, पत्रिका प्रकाशन
5. फोटो जर्नलिज्म, बी. के. देशपांडे, सोनाली पब्लिकेशन
6. फोटो जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, पंकज सेठी, नवयुग पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विष्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफ़ी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्‌भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिदीं साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

Discipline Specific Core-2
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2
हिंदी सिनेमा : उद्‌भव और विकास

इकाई–3
सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4
नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्‌ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेष्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा षंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौषल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process
व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords
सिनेमाई शब्दावली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES (GE)

OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998; कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

सीखने की इस प्रक्रिया में हिंदी साहित्य और हिंदी कविता को मजबूती प्रदान करना है। कालक्रम के विद्यार्थी युग बोध कोठी से जान सकेंगे। छात्र कविता के माध्यम से उसमें निहित मानवतावादी दृष्टिकोण को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। हिंदी भाषा आज तेजी से वैष्वीकृत हो रही है। ऐसे में कविता की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। साहित्य के आरंभ से ही कविता ने समय और समाज को प्रभावित किया है और मानवीय आचरण को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अतः षिक्षण में हिंदी कविता छात्रों

के दृष्टिकोण को और भी अधिक परिपक्व करेगी। प्रस्तुत पाठ्यक्रम को निम्नांकित सप्ताहों में विभाजित किया जा सकता है :

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Pool of Generic Elective Courses

Offered by Department of Hindi

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई–1

हिंदी भाषा
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास

(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परषुराम चतुर्वेदी; हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वां संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए.; प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंष)

– जयषंकर प्रसाद : हिंमाद्रि तुंग श्रृंग से

– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र

5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विष्वनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी का उद्‌भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

– पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.....

– कस्तूरी कुंडलि बसै .....

– यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान .....

– सात समुन्दर की मसि करूँ .....

– साधू ऐसा चाहिए .....

– सतगुरु हमसुँ रीझकर .....

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई–3

(क) बिहारी

– बतरस लालच लाल की .....

– या अनुरागी चित्त की .....

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर .....

– साजि चतरंग सैन .....

इकाई–4

आधुनिक कविता

– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देष हमारा

– हरिवंष राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी कीप्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोउ खड़े .....

– निन्दक नियरे राखिए .....

– कबीर संगति साधु की .....

– माला फेरत जुग भया .....

– पाहन पूजै हरि मिले .....

– वृच्छ कबहूँ न फल भखें .....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो .....

– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौं .....

– कनक कनक ते सौं गुनी .....

– थोड़े ही गुन रीझते .....

– कहत नटत रीझत खिझत .....

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग .....

– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा

– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

विकास गुप्ता
REGISTRAR

DEPARTMENT OF HINDI

Category-I

BA (HONS.) HINDI

हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन समयावधि की साहित्यिक स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन – विश्लेषण की जानकारी देना

Course learning outcomes

- हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit 1 — 10 **घंटे**

गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस,
(सुन्दर काण्ड)
गीताप्रेस, गोरखपुर

Unit 2 — 10 **घंटे**

सूरदास : भ्रमरगीतसार : (संपादक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी , नई दिल्ली)

पद संख्या – (4,7,21,22,23,24,25,37,52,76,85)

Unit 3 — 10 **घंटे**

केशवदास – रामचंद्रिका : वन–गमन वर्णन

बिहारी – बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार'
(शिवाला, वाराणसी)
छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347

Unit 4 — 15 **घंटे**

घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र;
(वाणी वितान; बनारस–1)
सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41)

भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा, डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वछंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद शास्त्री
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उतरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, भाग – 6 – संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	कोर कोर्स (DSC) 5	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
– साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
– साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course learning outcomes

– विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
– साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है।
– साहित्येतिहास के बिना साहित्य–विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

Unit 1

10 **घंटे**

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2

10 **घंटे**

- कथा साहित्य का विकास
- नाटक का विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका)
- आलोचना का विकास

Unit 3 10 **घंटे**

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उतर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

15 **घंटे**

Unit 4

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और सांहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मितामूलक विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक –नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी

additional Resources:

शिवसिंह सरोज – शिवसिंह सेंगर
हिंदी नवरत्न – मिश्र बंधु
समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
हिंदी नाटक : नयी परख – संपादक – रमेश गौतम
कथेतर – माधव हाड़ा
भारतेन्दु प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
छायावाद – नामवर सिंह
कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ) – संपादक – अज्ञेय
हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य–स. श्यौराज सिंह 'बेचैन'
आधी दुनिया का सच–कुमुद शर्मा
आदि–धर्म–रामदयाल मुंडा

आदिवासी साहित्य की भूमिका–गंगा सहाय मीणा

Teaching learning process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन–अध्यापन, समूह–परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	कोर कोर्स (DSC) 6	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
– गद्य–विधाओ की विश्लेषण पद्धति
– प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओ का अवलोकन

Course learning outcomes

– कथेतर साहित्य का परिचय
– विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
– प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1

इकाई – 1 निबंध 10 **घंटे**

बालकृष्ण भट्ट – जातियों का अनूठापन (नेशनल चार्टर)
(भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

Unit 2 10 **घंटे**

इकाई – 2 निबंध

रामचंद्र शुक्ल – करूणा
हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

Unit 3 10 **घंटे**

इकाई – 3 जीवनी एवं व्यंग्य

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग –1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

Unit 4 15 **घंटे**

इकाई – 4 संरमरण एवं यात्रा–वृतांत

संरमरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन – सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध – सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भरतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोतर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल वसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा

Teaching learning process

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category-IV

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES OFFERED BY DEPARTMENT OF HINDI

पटकथा और संवाद लेखन

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
पटकथा और संवाद लेखन	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course learning outcomes

- पटकथा क्या है समझेंगे।
- पटकथा और संवाद में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

Unit 1 — 10 **घंटे**

- पटकथा अवधारणा और स्वरूप
- पटकथा लेखन के तत्व
- पटकथा लेखन की प्रक्रिया

Unit 2 — 10 **घंटे**

- फीचर फिल्म की पटकथा
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा
- धारावाहिक की पटकथा

Unit 3 — 10 **घंटे**

- संवाद लेखन की प्रक्रिया
- संवाद लेखन की विशेषताएँ
- संवाद संरचना

Unit 4 — 15 **घंटे**

– टी.वी. धारावाहिक का संवाद लेखन
– डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन
– फीचर फिल्म का संवाद लेखन

References

पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

भाषा और समाज

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
भाषा और समाज	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– भाषा और समाज के अंतस्संबंध की जानकारी
– समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
– सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course learning outcomes

– समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन
– सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
– भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1 10 **घंटे**

भाषा और समाज का अंतसंबंध
समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
भाषा और सामाजिक व्यवहार

Unit 2 10 **घंटे**

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय
भाषा और समुदाय
भाषा और जाति

Unit 3 10 **घंटे**

भाषा और वर्ग
भाषा अस्मिता और जेंडर
भाषा और संस्कृति

Unit 4 15 **घंटे**

भाषा सर्वेक्षण
भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

References

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांण्डेय
सांझी सांस्कृतिक विरासत के आईने में भारतीय साहित्य – मंजु मुकुल, हर्ष बाला

Additional Resources:

Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
Socio Linguistics – R. A. Hudson
An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
The Shadow of Language – George Yule

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

भाषाविज्ञान के पारिभाषित शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर गई है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएँ लाँघ ली है। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा।

Course learning outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगेः
2. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा
3. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
4. कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है
5. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ–साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है।
6. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से लेकर वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्याार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
7. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

Unit 1 हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका 10 **घंटे**

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

Unit 2 हिंदी भाषा का क्षेत्र एंव विस्तार 10 **घंटे**

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ

- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप

Unit 3 लिपि का इतिहास 10 **घंटे**

- भाषा और लिपि का अंतस्संबंध
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि–लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4 देवनागरी लिपि 15 **घंटे**

- देवनागरी लिपि का परिचय एंव विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
3. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-II

BA (PROG) WITH HINDI AS MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC-II

Course Objective

– भारत के मौखिक साहित्य और लोक–परम्परा का अवलोकन

– लोक–जीवन और संस्कृति की जानकारी

– पर्यटन और संगीत–नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

Course Learning Outcomes

– मौखिक साहित्य का परिचय

– प्रमुख रूपों का परिचय

– संस्कृति और लोक–जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई–1 10 घंटे

मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

इकाई–2 10 घंटे

लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती–कुमाउनी; कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पु. 801–802

इकाई–3 10 घंटे

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

– विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक,

सारंग – सदावृक्ष, बिहुला

– राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461–462

– अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187–188

इकाई–4 15 घंटे

लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

References

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरीः विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. क्विता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन–हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका–चौमासा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

CATEGORY-III

BA (PROG) WITH HINDI AS NON-MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Category I

बी.ए. आनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication in three years)

मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया भाषा और अनुवाद DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भाषा और मीडिया के मूलतत्व से अवगत कराना।
- अनुवाद तकनीक से अवगत कराना।
- भाषा और मीडिया के सम्बंधों को समझाना।
- मीडिया अनुवाद का अभ्यास व व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना।

Learning Outcomes

- भाषा एवं मीडिया के अंतरसंबंधों से परिचित होंगे।
- मीडिया में अनुवाद की रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- भाषा और मीडिया के संदर्भ में अनुवाद की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल विकसित होगा।

SYLLABUS OF SEC

1. मीडिया भाषा और अनुवाद 10 घंटे (

- भाषा: परिभाषा और महत्व

- अनुवाद: परिभाषा, महत्व, प्रक्रिया
- मीडिया अनुवाद का स्वरूप और महत्व

2. प्रिंट मीडिया और अनुवाद 10 घंटे

- पत्र पत्रिकाओं में समाचार,लेख और संपादकीय की भाषा का स्वरूप
- प्रिंट मीडिया अनुवाद - पत्र :पत्रिकाओं के समाचार शीर्षक, समाचार,लेख , फीचर , संपादकीय और विज्ञापन का अनुवाद
- प्रिंट मीडिया अनुवाद की शब्दावली

3. इलेक्ट्रानिक मीडिया और अनुवाद 10 घंटे

- रेडियो और टेलीविजन समाचार भाषा समाचार शीर्षक ,और समाचारों का अनुवाद
- रेडियो और टेलीविजन के विज्ञापनों का अनुवाद
- इलेक्ट्रानिक मीडिया अनुवाद की शब्दावली

4. डिजिटल मीडिया व फिल्मों की भाषा और अनुवाद 15 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज़ पोर्टल, विकिपीडिया में अनुवाद का स्वरूप
- डिजिटल अनुवाद के उपकरण : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनुवाद ऐप्स, ऑनलाइन शब्दकोश
- फिल्म और डॉक्यूमेंट्री अनुवाद :शीर्षक अनुवाद, डबिंग

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

1. अखबार में प्रकाशित समाचारों, लेख और फीचर के अनुवाद का अभ्यास कराना।
2. समाचार शीर्षक के अनुवाद का अभ्यास कराना।
3. टेलीविजन समाचारों और वृतचित्र का अभ्यास कराना।
4. अनुवाद ऐप्स का परिचय, ऐप्स आधारित अनुवाद का संपादन।
5. डिजीटल अनुवाद के विविध रूपों का अभ्यास कराना।
6. विज्ञापन अनुवाद का अभ्यास कराना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा भोलानाथ -तिवारी, किताब महल प्रकाशन
2. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और अनुप्रयोग हिंदी ,डॉ नगेंद्र - माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय , दिल्ली विश्वविद्यालय
3. अनुवाद की व्यापक संकल्पना। डॉ दिलीप सिंह ,वाणी प्रकाशन
4. पत्रकारिता में अनुवाद - जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन, अरुण प्रकाश राधाकृषण प्रकाशक ,
5. अनुवाद : अवधारणा और आयाम डॉ सुरेश -सिंघल संजय प्रकाशन ,

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
समाचार की अवधारणा और रिपोर्टिंग DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- समाचार रिपोर्टिंग के विषय में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना ।
- समाचार बोध विकसित करना ।
- छात्रों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया हेतु न्यूज़ लिखने के योग्य बनाना।
- रिपोर्टिंग के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी देना और विचार निर्माण कौशल को बढ़ावा देना।
- समसामयिक मुद्दों पर तथ्य आधारित विचार - विमर्श और विश्लेषण कौशल का विकास करना।

Course Learning Outcomes

- न्यूज़ रिपोर्टिंग के सिद्धांत और तकनीक के विषय में अच्छी समझ विकसित होगी।
- समाचार बोध का विकास होगा।
- इवेंट कवर करने और समाचार लिखने की योग्यता विकसित होगी।
- न्यू स्टोरी लेखन के लिए सामग्री योजना और विचार निर्माण का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
- समसामयिक मुद्दों पर विचार-विमर्श और विश्लेषण करने में दक्ष होंगे।

SYLLABUS

1. समाचार 10 घंटे

- समाचारअवधारणा एवं महत्व :
- समाचार के तत्त्व एवं प्रकार
- समाचार स्रोत एवं समाचार संकलन

2. समाचार लेखन 10 घंटे

- समाचार : संरचना, सिद्धांत एवं तकनीक
- समाचार शैली : विलोम स्तूपी, फीचर शैली,
- इंट्रो और शीर्षक लेखन

3. समाचार रिपोर्ट 10 घंटे

- रिपोर्टर के गुण, दायित्व एवं चुनौतियां
- बीट रिपोर्टिंग : शिक्षा, स्वास्थ्य, अपराध, नागरिक मुद्दे, संसदीय, अदालत, खेल एवं व्यापार
- हार्ड न्यूज़ एवं सॉफ़्ट न्यूज़ अवधारणा एवं अंतर स्टिंग ऑपरेशन ,पीत पत्रकारिता ,

4. माध्यम लेखन 15 घंटे

- प्रिंट मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन
- डिजिटल मीडिया के लिए समाचार के चयन का आधार एवं लेखन

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे

1. विविध विषयों पर प्रकाशित खबरों के पुनर्लेखन का अभ्यास कराना।
2. समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के आधार पर शीर्षक लेखन का अभ्यास कराना।
3. स्थानीय स्थलों पर जाकर नागरिक मुद्दों पर समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन या वेब के लिए रिपोर्ट तैयार करना।
4. किसी एक विषय पर समाचार, समाचार विश्लेषण और साक्षात्कार तैयार करना।
5. चयनित कार्टून और चित्रों के लिए कैप्शन लेखन करना।
6. किसी मानवीय अभिरुचि, विकास या सामाजिक मुद्दे पर पॉडकास्ट, टेलीविजन रिपोर्ट या ब्लॉग तैयार करना।
7. प्रेस कॉन्फ्रेंसप्रेस रिलीज के आध ,ार पर रिपोर्ट बनाना।

Essential/recommended readings

- समाचार और संवाददाता -काशीनाथ जोगलेकर, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन

- समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा, हिंदी समिति उत्तर प्रदेश
- क्राइम रिपोर्टर - हर्ष देव, भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली
- हिंदी के आधुनिक पत्रकारिता -अरुण कुमार भगत ,नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार
- समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - हरिमोहन तक्षशिला पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- खोजी पत्रकारिता - एच. भीष्मपाल, प्रकाशन विभाग
- साइबर पत्रकारिता -विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

मीडिया लेखन DSC

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
मीडिया लेखन DSC	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. विभिन्न जनमाध्यमों के लिए मीडिया लेखन की जानकारी देना।
2. मीडिया लेखन के विविध प्रारूपों एवं उनमें प्रयुक्त शब्दावली से परिचित कराना।
3. मीडिया के विविध रूपों में लेखन प्रक्रिया एवं जानकारी लेना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी जनमाध्यमों के विविध स्वरूपों के लिए लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
2. मीडिया शब्दावली से परिचित होकर मीडिया संस्थानों में कार्य करने हेतु तैयार होंगे।
3. व्यावसायिक क्षेत्र में उपयोगी प्रशिक्षण मिलेगा।

1. मीडिया लेखन: 10 घंटे

- मीडिया लेखन के आधारभूत सिद्धांत
- मीडिया लेखन कौशल
- मीडिया लेखन के विविध क्षेत्र डिजिटल ,वेबसाइट ,रेडियो ,टेलिविज़न ,पत्रिका ,समाचार पत्र : मीडिया

2. प्रिंट के लिए लेखन : 10 घंटे

- संपादकीय पृष्ट संरचना और लेखन ,संपादकीय : संपादक के नाम पत्र कॉलम एवं संपादकीय , पृष्ट की भाषा

- फीचर लेख एवं स्तम्भ लेखन ,
- प्रिंट लेखन के अन्य विविध रूप : समाचार ,साक्षात्कार परिशिष्ट लेखन ,कैप्शन लेखन ,

3. टेलिविज़न के लिए लेखन : 10 घंटे

- इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट माध्यम के लिए लेखन में अंतर
- टेलीविजन के विविध कार्यक्रमों के लिए लेखन। धारावाहिक लेखन कॉमेडी ,डॉक्युमेंट्री लेखन , शो
- ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म के लिए लेखन

4. रेडियो के लिए लेखन : 15 घंटे

- रेडियो लेखन की विशेषता
- रेडियो में भाषा उचारण एवं उद्घोषक का महत्व ,
- रेडियो कार्यक्रम के विविध प्रारूप के लिए लेखन। वार्ता ,जिंगल ,समाचार ,नाटक ,फ़ीचर , पॉड्कास्ट लेखन

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- किसी समाचार पत्र के लिए संपादकीय लेख या फ़ीचर लिखना। ,
- टेलिविज़न के लिए एक पैकेज लिखना।
- रेडियो के लिए परिचर्चा की स्क्रिप्ट लिखना।

Essential/recommended readings

1. मीडिया लेखन सिद्धांत एवं व्यवहार संजय प्रकाशन ,चंद्र प्रकाश मिश्रा :
2. जनसंचार और मीडिया लेखन नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,रेवती शरण शर्मा :
3. मीडिया लेखन सृजन कल्पाज प्रकाशन ,ओम गुप्ता :
4. मीडिया लेखन कला नई दिल्ली ,ओमेगा प्रकाशन ,निशांत सिंह :
5. कथा वाणी प्रकाशन ,मन्नु भंडारी : पटकथा-

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(क फिल्म अध्ययन(GE)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- सिनेमा के तत्वों एवं कथा तकनीकों से परिचित कराना एवं सिनेमा के विभिन्न आंदोलनों का परिचय देना।
- सिनेमा निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित करना।
- सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।

Course Learning Outcomes

- सिनेमा की भाषा एवं विजुअल्स की समझ विकसित होगी।
- सिनेमा संबंधी तकनीकी कौशल का विकास होगा।
- फिल्मों में अंतर्निहित समाज एवं संस्कृति के अंतरसंबंधों के विश्लेषण में दक्ष होंगे।
- भारतीय सिनेमा की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।

1. सिनेमा सामान्य परिचय : 3 +1x3 = 9+3) 1 **से** (**सप्ताह** 3

- हिन्दी सिनेमा की इतिहास यात्रा ,स्वतंत्रता पूर्व - स्वातंत्रयोत्तर सिनेमा ,भूमंडलीकरण के दौर का सिनेमा

- सिनेमा के प्रकार - लोकप्रिय सिनेमा, समानान्तर सिनेमाकला सिनेमा ,, क्षेत्रीय सिनेमा
- सिनेमा की भाषा (विजुअल्स और शॉट्स के आधार पर)का अध्ययन

2. **सिनेमा ,समाज और संस्कृति** 3 +1x3 = 9+3) 4 **से** (**सप्ताह** 6

- राष्ट्रीय चेतना और हिंदी सिनेमा
- लोक संस्कृति, सिनेमा और जन मनोविज्ञान
- क्षेत्रीय हिन्दी सिनेमा - भोजपुरी ,हरियाणवी ,राजस्थानी बोलियों का सिनेमा

3. **सिनेमा तकनीक** 3 +1x3 = 9+3) 7 **से** (**सप्ताह** 9

- सिनेमा में पटकथा, अभिनय, संवाद,ध्वनि,गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, कैमरा, लाइट दृश्य और, स्पेशल इफ़ेक्ट्स तकनीक
- भारतीय सिनेमा में गीत, संगीत और नृत्य की भाषा
- एनिमेशन ,क्रॉसओवर ,ऑफ बीट ,ओटीटी प्लेटफार्म और वेब सिनेमा

4. **सिनेमा का अर्थशास्त्र और प्रबन्धन** 3 +1x3 = 9+3) 10 **से** (**सप्ताह** 12

- सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा का राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय बाजार -
- सिनेमेटोग्राफी एक्ट 1956

प्रायोगिक कार्य 3+1x3 = 9+3) 13 **से 14 सप्ताह**(

- दी गई फ़िल्मों में से किसी एक फिल्म की समीक्षा कीजिए । राजा हरिश्चंद्र, मदर इंडिया ,दो बीघा जमीन ,शहीद ,दंगल, मैरीकॉम ,स्वदेश ,दादा लखमी
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती किसी एक फिल्म की भाषा
- विजुअल्स और शॉट्सपर रिपोर्ट तैयार करना (
- किसी एक फिल्म में अभिव्यक्त जीवन मूल्यों का विश्लेषण और प्रभाव की समीक्षा
- भारतीय संस्कृति को अभिव्यक्त करती लघु फिल्म का निर्माण कराना)8 -10 मिनट(
- ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म और दायित्व बोध एवं भारतीय सिनेमैटोग्राफी एक्ट की समीक्षा और 1956 संशोधन के सुझाव

Essential/recommended readings

- हिन्दी सिनेमा के सौ बरस : मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन

- सत्यजीत राय का सिनेमा : चिदानन्द दास गुप्ता, नेशनल बुक ट्रस्ट, प्रकाशन
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : डॉ पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर , नई दिल्ली
- फिल्में कैसे बनती है : हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
- सिनेमा की सोच : अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन

Examination scheme and mode:

Total Marks:100
Internal Assessment: 25 Marks
End Semester University Exam:75 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

(ख

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibilitycriteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(**खसोशल मीडिया** (GE	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- सोशल मीडिया के मूलतत्व से अवगत कराना।
- नेटवर्किंग तकनीक से अवगत कराना।
- सोशल मीडिया का उद्भव एवं विकास समझाना।
- सोशल मीडिया के वैचारिक, सांस्कृतिक और नैतिक परिदृश्य से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

- समाज एवं संस्कृति पर सोशल मीडिया के प्रभाव से परिचित होंगे।
- डिजिटल मीडिया में रोजगारोन्मुख संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे।
- सोशल मीडिया की भूमिका और दायित्वों से परिचित होंगे।

1. सोशल मीडियासामान्य परिचय : 10 घंटे

- सोशल मीडिया स्वरूप एवं विकास :
- सोशल मीडिया विशेषताएँ :
- लोकतंत्र और सोशल मीडिया

2. सोशल मीडिया :प्रकार और प्रयोग 10 घंटे

- सोशल नेट्वर्किंग साइट्स

- सोशल मीडिया ट्रायलमीम्स ,ट्रोलिंग ,, रील्स ,
- ब्रांडिंग एवं व्यावसायिकता उद्देश्य

3. सोशल मीडिया कंटेंट लेखन 10 घंटे

- प्रिंट टीवी, रेडियो एवं डिजिटल मीडिया कंटेंट लेखन में अंतर
- सोशल मीडिया पर सूचना निर्माण, फेक न्यूज़, फेक्ट चेक
- सोशल मीडिया। रचनात्मकता के नए आयाम : लेखन शिक्षण और कला के संदर्भ में ,

4. सोशल मीडिया नियमन और प्रभाव 15 घंटे

- साइबर अपराध एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम
- सामुदायिक निर्माण और जनसंपर्क
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं स्वनियमन

प्रायोगिक कार्य : 30 घंटे (

- ई न्यूज़ लेटर, ई पत्रिका, ब्लॉग निर्माण व लेखन।
- केस स्टडी अन्ना आंदोलन -, कोरोना काल जनजागृति ,लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव , अभियान
- जन सर्वेक्षण के आधार पर-सोशल मीडिया के प्रभावों और लोकप्रियता का विश्लेषण एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुति।
- सोशल मीडिया के माध्यम से बनी खबरों पर एक रिपोर्ट तैयार करना।

Essential/recommended readings

- दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी - डी. डी. ओझा ज्ञान गंगा दिल्ली ,सत्यप्रकाश ,
- न्यू मीडिया इन्टरनेट की भाषाई चुनौतियां - एस आर अनुराधा ,राधाकृषण प्रकाशन , दिल्ली
- हिन्दी ब्लॉगिंग अभिव्यक्ति की नयी क्रान्ति - अविनाश वाचस्पति, रवीन्द्र प्रभात , हिंदी साहित्य निकेतन उत्तरप्रदेश ,
- भूमंडलीकरण और मीडिया - कुमुद शर्मा नई दिल्ली ,ग्रंथ अकादमी ,
- संस्कृति, विकास और संचार क्रान्ति - पूरनचंद्र जोशी नई दिल्ली ,ग्रंथ शिल्पी ,
- नया मीडिया अध्ययन और अभ्यास। शालिनी जोशी पेंगुइन बुक्स ,शिवप्रसाद जोशी ,
- मुक्त समाज की मृगमरीचिका - नॉम चोमस्की

Examination scheme and mode:

Total Marks:100

Internal Assessment: 25 Marks

End Semester University Exam:75 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(26)/2023-24/

Dated: 05.07.2023

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 14-1/-(14-1-1/-) dated 09.06.2023]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

Syllabi of Semester-III of the department of Hindi under Faculty of Arts based on Under Graduate Curriculum Framework -2022 implemented from the Academic Year 2022-23.

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी

- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

- भाषा, साहित्य और संस्कृति – (सं.) विमलेशकांति वर्मा, ऑरियन्ट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
- बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन; अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी
- संत काव्य (संग्रह) – परशुराम चतुर्वेदी, किताबमहल, इलाहबाद, (प्र. सं. 1952)

सेमेस्टर – 3
हिंदी नाटक एवं एकांकी
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्रयोत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर – 3
सामान्य भाषा विज्ञान
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विषेशताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विषेशताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार

- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

सेमेस्टर – 3
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा
Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय

- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग

(ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462

(ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

सेमेस्टर – 3

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय

- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

सेमेस्टर – 3
रचनात्मक लेखन
Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत **(12 घंटे)**

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा **(09 घंटे)**

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन **(12 घंटे)**

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन **(12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)

- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

COMMON POOL OF GENERIC ELECTIVES

The Pool of Generic Electives offered in Semester -I and Semester-II will also be open for Semester-III.

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4

जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर **(12 घंटे)**

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन **(09 घंटे)**

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR

सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4

हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

हिंदी विभाग / DEPARTMENT OF HINDI

सेमेस्टर –IV

बी.ए.ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय काव्यशास्त्र

Core Course – DSC10

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय काव्यशास्त्र(DSC10)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोधकराना।
2. काव्य-चिंतन के विभिन्नसंप्रदायों से अवगतकराना।
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवंछंदों की संरचना से परिचितकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतनपरंपरा से अवगतहोसकेंगे।
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोगकरसकेंगे।
3. पारंपरिकऔरआधुनिककाव्य-विवेक केनैरंतर्य की समझ समृद्धहोगी।

इकाई–1(12 घंटे)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्यभरतमुनि से पंडितराजजगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्तपरिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

इकाई–2(12 घंटे)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई –3(12 घंटे)

- रसः स्वरूप, अवयवऔरभेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

इकाई–4(9घंटे)

- **शब्द-शक्ति:**अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- **अलंकार:** शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- **छंद:**समवर्णिक–सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक –चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक –बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक –कुंडलिया, छप्पय

सहायकग्रंथ:

1. रस-मीमांसा–आचार्यरामचंद्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. साहित्य-सहचर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
3. रस-सिद्धांत–डॉ. नगेंद्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (भाग2) –डॉ. नगेंद्र, ओरियंटलबुकडिपो।

सेमेस्टर –IV
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
Core Course–DSC11

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (DSC11)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. आधुनिक हिंदी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
2. खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
2. स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिंदीभाषा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
3. कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र –नए जमाने की मुकरी (संपादन 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त– 'भारत-भारती' के भविष्यत खंड (92-98)से कवि शिक्षा (106-111)
  (भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984)

इकाई –2(12 घंटे)

- रामनरेश त्रिपाठी– पथिक: प्रथम सर्ग से – 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक(हिंदी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद –पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड1,संपादक –रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन)

इकाई –3 (12 घंटे)

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  (निराला रचनावली, खंड1, संपादक –नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत –द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  (सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, संपादक – कुमार विमल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

इकाई –4(9घंटे)

- महादेवी वर्मा – पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  (महादेवी रचना संचयन, संपादक–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  (स्वतंत्रता पुकारती, संपादक– नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

सहायकग्रंथ:

1. भारतेंदु रचना संचयन, संपादक–गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदीनवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद।
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्रशाह, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, राजस्थान।
10. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV
हिंदी उपन्यास
Core Course–DSC12

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी उपन्यास (DSC12)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
2. प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
3. कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
4. उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास

इकाई –2(12 घंटे)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान–श्रीनिवासदास,प्रेमचंद, जैनेंद्र,अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, धर्मवीर भारती, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी, मंजुल भगत,चित्रा मुद्गल।

इकाई –3 (12 घंटे)

- प्रेमचंद– कर्मभूमि

इकाई –4(9घंटे)

- श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास – (संपादक) भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद: एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी उपन्यास –(संपादक) नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV
हिंदी लोकनाट्य
Elective Course –DSE4

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी लोकनाट्य(DSE 4)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।
3. हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 **(12घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई – 2(12घंटे)

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय: रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

इकाई– 3: पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- नलदमयंती – सांग (लखमीचंद)

इकाई– 4 : पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य–वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली– (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य–जगदीशचंद्रमाथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य–श्याम परमार,लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन।

सेमेस्टर –IV
पर्यावरण और हिंदी साहित्य
Elective Course – DSE5

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 :कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) :फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

सेमेस्टर –IV
जनसंचार माध्यमऔर तकनीक
Elective Course – DSE6

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
जनसंचार माध्यम और तकनीक (DSE6)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

10. विद्यार्थियोंकोजनसंचार माध्यमों के विस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
11. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
12. जनसंचार माध्यम और तकनीकसे जुड़ी आचार संहिताओं काबोधकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
2. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
3. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई–1:जनसंचार : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषाव स्वरूप
- जनसंचारकेउद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्त्व
- जनसंचार के प्रकार

इकाई–2 : जनसंचार केमाध्यम (12 घंटे)

- प्रिंट ,रेडियोऔरटेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशलमीडिया–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्सतथा अन्यमाध्यम

इकाई–3 :जनसंचार :तकनीकी पक्ष(12घंटे)

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग

- न्यू मीडिया

इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (9 घंटे)

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

सहायकग्रंथ:

1. भूमंडलीकरण और मीडिया –कुमुदशर्मा।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी।
3. जनसंचार – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
4. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख।
5. इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार।
6. सोशलनेटवर्किंग: नएसमयकासंवाद–(संपादक)संजयद्विवेदी।
7. वर्चुअलरिएलिटिऔरइंटरनेट- जगदीश्वरचतुर्वेदी।
8. सोशलमीडियाऔरब्लॉगलेखन–स्नेहलता।
9. नएमाध्यम, नईहिंदी–प्रो. हरिमोहन।
10. सोशल मीडिया–स्वर्ण सुमन।
11. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा।
12. संचारक्रांतिऔरबदलतासामाजिकसौंदर्यबोध–कृष्णकुमाररत्तू।

सेमेस्टर –IV
ब्लॉग लेखन
GE Hindi Course – GE7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
ब्लॉग लेखन (GE7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रमकाउद्देश्य (Course Objective):

1. ब्लॉगकेविकासकेसाथ-साथभाषा, समाजऔरसंस्कृतिकीजानकारी देना।
2. ब्लॉगलेखनकेविभिन्नप्रभावोंकाअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):

1. ब्लॉगलेखनऔरसमाजकेसंबंधकीव्यावहारिकजानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉगलेखनकेमाध्यमसेसामाजिक, सांस्कृतिकसमझविकसित होगी।

इकाई –1 : ब्लॉगलेखन: अवधारणा(12 घंटे)

- ब्लॉगकास्वरूप
- ब्लॉगलेखनकाविकास
- ब्लॉगलेखन: भाषा, समाजऔरसंस्कृति
- ब्लॉगलेखनकाप्रभाव

इकाई –2 : ब्लॉगलेखन : व्यक्तिऔरसमाज(12 घंटे)

- ब्लॉगलेखनऔरव्यक्तिरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरसामाजिकरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरजनभागीदारी
- ब्लॉगलेखनऔरसोशलमीडिया

इकाई –3 : ब्लॉगलेखनकेप्रकार(12 घंटे)

- साहित्यिक-सांस्कृतिक
- राजनीतिक-सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूदएवंअन्य

इकाई –4: ब्लॉगनिर्माण(9घंटे)

- भाषाएवंसंरचना
- ब्लॉगनिर्माणकीप्रक्रिया
- किसीविशिष्टविषयपरब्लॉगलेखन

सहायक ग्रंथ:

1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. इंटरनेट जर्नलिज़म–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन,जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन,भारत।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास,रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

सेमेस्टर –IV

हिंदीभाषाऔरविज्ञापन

GE Hindi Course – GE8

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी भाषा और विज्ञापन (GE8)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियोंकोविज्ञापनकेविस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
2. विज्ञापनभाषाकेस्वरूपऔरविशेषताओंकाबोधकराना।
3. विभिन्नमाध्यमोंकेलिएविज्ञापनकॉपीलेखनकाअभ्यासकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विज्ञापनलेखनके मध्यम सेभाषा-दक्षताविकसित होगी।
2. विज्ञापननिर्माणकीपूरीप्रक्रियाकोसमझ सकेंगे।
3. विज्ञापनबाज़ारमेंविभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
4. कॉपीलेखनके कार्य में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई– 1 : विज्ञापन : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषाऔरमहत्त्व
- विज्ञापनकेउद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापनकेप्रमुखप्रकार
- विज्ञापनकेप्रभाव

इकाई–2 : विज्ञापनमाध्यम(12 घंटे)

- विज्ञापनमाध्यमचयनकेआधार
- प्रिंट, रेडियोऔरटेलीविज़नके लिए विज्ञापन
- डिजिटलविज्ञापनतथाआउटऑफ़होमविज्ञापन–होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइनबोर्ड
- सोशलमीडियाविज्ञापन–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, सोशलनेटवर्किंगसाइट्स

इकाई–3 : विज्ञापनकीभाषा(12 घंटे)

- विज्ञापनकीभाषाकास्वरूपएवंविशेषताएँ
- विज्ञापनकीभाषा-शैलीकेविभिन्नपक्ष–सादृश्यविधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, भाव-भंगिमा (बॉडीलैंग्वेज)

- विज्ञापनस्लोगनएवंपंचलाइन

इकाई–4: विज्ञापन: कॉपीलेखन(9घंटे)

- विज्ञापनकॉपीकेअंग
- प्रिंटमाध्यम: लेआउटकेविविधप्रारूप
- वर्गीकृतएवंसजावटीविज्ञापन-निर्माण
- रेडियोजिंगललेखन
- टेलीविज़नविज्ञापनकेलिएकॉपीलेखन

सहायकग्रंथ:

1. जनसंपर्क, प्रचारऔरविज्ञापन–विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन,जयपुर।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी,नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. डिजिटलयुगमेंविज्ञापन–सुधासिंह, जगदीश्वरचतुर्वेदी, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. विज्ञापनकीदुनिया–कुमुदशर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विज्ञापन: भाषाऔरसंरचना–रेखासेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विज्ञापनऔरब्रांड – संजयसिंहबघेल,सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली।
7. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र
Core Course – DSC8-A

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

इकाई – 1 : कविताएं (12 घंटे)

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

इकाई – 2: नाटक (12 घंटे)

- नीलदेवी

इकाई – 3: निबंध (12 घंटे)

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

इकाई – 4 : विविध (9 घंटे)

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

सहायक ग्रंथ:

1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सेमेस्टर –IV

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद

Core Course – DSC8-B

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-B)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
2. जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. जयशंकर प्रसाद के लेखन-दृष्टि की गंभीर समझ विकसित होगी।
2. छायावाद और राष्ट्रीय आंदोलन के आपसी संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- कविताएँ – बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

इकाई –2(12 घंटे)

- कहानियाँ – आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई–3(12 घंटे)

- नाटक – अजातशत्रु

इकाई–4 (9 घंटे)

- निबंध – यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सहायक ग्रंथ:

1. प्रसाद रचना संचयन – (संपादक) विष्णु प्रभाकर और रमेश चंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी।
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद।
4. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन –सुमित्रानन्दन पंत।
5. छायावाद – नामवर सिंह।
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
7. छायावाद की प्रासंगिकता –रमेशचंद्र शाह।
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही।
9. छायावाद का पतन – डॉ. देवराज।
10. कामायनी: एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध।
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन – (संपादक) इंद्रनाथ मदान।
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम – करुणा शंकर उपाध्याय।
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) – श्यामबिहारी श्यामल।

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as NON-MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER – V

BA (Hons) Hindi

Semester V : DSC-13

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi

Semester V : DSC-14

आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्भों को समझने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप
  (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा
  (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नही सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अज़ीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-15
हिंदी आलोचना

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-15 हिंदी आलोचना	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

इकाई 1 : **(9 घंटे)**

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई 3 : **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ

- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – 'तार सप्तक' की भूमिका

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला ('प्रसाद, निराला, अज्ञेय' पुस्तक से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

इकाई-1 : **(12 घंटे)**

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

इकाई-2 : **(12 घंटे)**

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 : **(9 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 : **(12 घंटे)**

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

BA (Hons) Hindi

Semester V: DSE

हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय **(11 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार **(11 घंटे)**

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार

- गीत और संगीत का बाजार
- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप **(11 घंटे)**

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

इकाई 4 : फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) **अध्ययन** **(12 घंटे)**

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

विशेष: उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi

Semester V : DSE

हिंदी यात्रा साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी यात्रा साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप (12 घंटे)

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय (12 घंटे)

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन

- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(9 घंटे)**

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
कंप्यूटर और हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कंप्यूटर और हिंदी	4	3	0	1	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।
- हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट्स से परिचित कराना।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी **(12 घंटे)**

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी **(9 घंटे)**

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण

- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष **(12 घंटे)**

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
रंगमच और लोक-साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगमंच और लोक-साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा (9 घंटे)

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय (12 घंटे)

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- लखमीचंद : सांग – 'नल दमयन्ती'
- भिखारी ठाकुर : 'बिदेसिया'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – 'हयवदन'
- सिद्धेश्वर सेन : माच – 'राजा भरथरी'

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press,1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

Semester V : DSC-9

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as MAJOR

Semester V : DSC-10

राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-10 राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा के विविध रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

इकाई 2 : राजभाषा हिंदी **(12 घंटे)**

- राजभाषा : तात्पर्य और स्वरूप
- राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

इकाई 3 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी **(12 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
- संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

इकाई 4 : हिंदी का अनुप्रयोग **(9 घंटे)**

- राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)
- राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; राजभाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, डॉ. देवेंद्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ एवं समाधान, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. सिंह, शंकर दयाल; हिंदी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. राजवीर; राजभाषा हिंदी : विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. गिरि, डॉ. राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR

Semester V : DSC-9

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi

Semester V : DSE

विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे।

इकाई 1 : भारत-विभाजन और स्वाधीनता **(12 घंटे)**

- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम
- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय

इकाई 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की शृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

इकाई 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी **(12 घंटे)**

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- मैं जिंदा रहूँगा – विष्णु प्रभाकर

इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास **(9 घंटे)**

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. प्रसाद, डॉ. राजेंद्र; खंडित भारत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरीला, नरेंद्र सिंह; विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शेषाद्रि, हो. वे.; ...और देश बंट गया, सुरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
4. लोहिया, राम मनोहर; भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, अनिता इंदर; भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
7. प्रियंवद; भारत विभाजन की अंतःकथा, पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, बलबीर; भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. यादव, सुभाष चंद्र; भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
10. मोहन, नरेंद्र; विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. मधुरेश; हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
14. मधुरेश; हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
15. Azad, Maulana Abul Kalam; India Wins Freedom, Orient Longman, Hyderabad, India.

BA (Prog.) Hindi

Semester V : DSE

व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित कराना
- हिंदी भाषा के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता विकसित करना
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक रूप से व्यावसायिक जगत से जोड़ना
- छात्रों को हिंदी से जुड़े रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यावसायिक संप्रेषण की प्रक्रिया से अवगत होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होंगे
- हिंदी के वैश्विक और व्यावसायिक अंतःसंबंधों को समझेंगे
- व्यावसायिक लेखन की प्रक्रिया से परिचित होंगे

इकाई 1: संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व **(12 घंटे)**

- संप्रेषण की परिभाषा एवं स्वरूप
- संप्रेषण का महत्त्व
- भूमंडलीकरण के युग में संप्रेषण की महत्ता
- संप्रेषण की बाधाएं

इकाई 2: व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा **(9 घंटे)**

- व्यावसायिक संप्रेषण का स्वरूप
- व्यावसायिक संप्रेषण के प्रकार
- तकनीकी व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 3: हिंदी जनसंचार और व्यावसायिक संप्रेषण **(12 घंटे)**

- संप्रेषण के विविध माध्यम – परंपरागत और आधुनिक
- प्रिंट मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- हिंदी भाषा, सोशल मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 4: हिंदी में व्यावसायिक लेखन **(12 घंटे)**

- हिंदी में व्यावसायिक लेखन का महत्त्व
- हिंदी में व्यावसायिक लेखन के प्रकार (प्रतिवेदन लेखन, कार्यसूची, कार्यवृत्त का रूप निर्माण)
- व्यावसायिक पत्र और ईमेल का प्रारूप निर्माण
- स्ववृत्त-निर्माण और उसके विविध स्वरूप

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पाल एवं शर्मा, डॉ. हंसराज एवं डॉ. मंजुलता; व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. झालटे, डॉ. दंगल; प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय, कैलाशनाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. गोस्वामी, कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi

Semester V : DSE

हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी की प्रमुख संस्थाओं से परिचित कराना।
- हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका से अवगत कराना।
- संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी के विकास में विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के योगदान को समझ सकेंगे।
- प्रारंभिक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास में विभिन्न संथाओं और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी की आरंभिक संस्थाएँ **(12 घंटे)**

- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
- दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

इकाई 2 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी संस्थाएँ **(12 घंटे)**

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज

इकाई 3 : हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान **(12 घंटे)**

- आरंभिक पत्र – उदन्त मार्तण्ड, बंगदूत, समाचार सुधा वर्षण
- साहित्यिक पत्रिकाएं – कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती
- हिंदी के विकास में प्रमुख पत्रकारों का योगदान – भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबू बालमुकुंद गुप्त।

इकाई 4 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं **(9 घंटे)**

- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाएं – धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान
- आपातकाल के दौर की पत्रकारिता और चुनौतियां
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएं

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. वैदिक, वेदप्रताप; हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
4. पांडेय, डॉ. पृथ्वीनाथ, पत्रकारिता : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, कुमुद; भूमंडलीकरण और मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
लोकप्रिय हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE लोकप्रिय हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- लोकप्रिय संस्कृति की समझ विकसित करना।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य का परिचय देना।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम-अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य से परिचित होंगे।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय संस्कृति : अवधारणा और स्वरूप
- लोकप्रिय संस्कृति और कला के विविध आयाम
- लोकप्रिय संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य

इकाई 2 : लोकप्रिय साहित्य **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- वैश्वीकृत दुनिया और हिंदी का लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक।

इकाई 3 : लोकप्रिय कविता **(9 घंटे)**

- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला (भाग 1)
- कवि प्रदीप – दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
- शैलेंद्र – दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
- गोपालदास नीरज – कारवाँ गुज़र गया

इकाई 4 : लोकप्रिय कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- चंद्रकांता – देवकी नंदन खत्री
- गुप्त कथा – गोपाल राम गहमरी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पचौरी, सुधीश; पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज।
2. रंजन, प्रभात; पॉपुलर हिंदी लुगदी हिंदी : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य, जानकीपुल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कृष्ण, संजय (संपादक); गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. शुक्ल, वागीश; चंद्रकांता (संतति) का तिलिस्म, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सक्सेना, प्रदीप; तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद चरित्र, शिल्पायन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
प्रवासी हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE प्रवासी हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय (12 घंटे)

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

इकाई 2 : प्रवासी कविताएं (12 घंटे)

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : प्रवासी कहानियां **(12 घंटे)**

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास **(9 घंटे)**

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.

DEPARTMENT OF HINDI

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSC-16

हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी की भाषिक संरचना से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी भाषा के ऐतिहासिक क्रम से परिचित होंगे।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी भाषा का उद्भव और विकास (9 घंटे)

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्य भाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी
- हिंदी भाषा की विकास यात्रा

इकाई 2 : हिंदी भाषा का स्वरूप (12 घंटे)

- बोली और भाषा
- हिंदी की बोलियां
- हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र : स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

इकाई 3 : हिंदी भाषा की विविध भूमिकाएं (12 घंटे)

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- ज्ञान-विज्ञान की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

इकाई 4 : हिंदी भाषा का नवीन स्वरूप (12 घंटे)

- प्रिंट मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भाषा
- सोशल मीडिया की भाषा
- सिनेमा की भाषा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, रेख्ता प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रविंद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. टंडन, डॉ. प्रेम नारायण; भाषा अध्ययन के आधार, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
5. तिवारी, डॉ. उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्गम और विकास।
6. शर्मा, विकास; भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विविध भूमिकाएं, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSC-17

अस्मितामूलक हिंदी साहित्य

(दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 17 अस्मितमूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- अस्मिता मूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी (9 घंटे)

- दलित विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- स्त्री विमर्श: भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कथा-साहित्य (12 घंटे)

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मन्नू भण्डारी – यही सच है
- एलिस एक्का – धरती लहलहायेगी... झालो नाचेगी... गाएगी

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता (12 घंटे)

- दलित कविता : माताप्रसाद – सोनवा का पिंजरा
- आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल – कहां हो तुम माया ('नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से)
- स्त्री कविता : नीलेश रघुवंशी – पानदान

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
- डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSC-18
कथेतर गद्य साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 18 कथेतर गद्य साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के अंतर्गत कथेतर गद्य साहित्य की स्थिति को समझाना।
- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के महत्त्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में कथेतर गद्य साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी।
- कथेतर गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित होंगे।
- कथेतर गद्य साहित्य के लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

इकाई 1 : कथेतर गद्य साहित्य का परिचय **(9 घंटे)**

- कथेतर गद्य साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
- कथेतर गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
- कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य का अंतर्संबंध

इकाई 2 : कथेतर गद्य साहित्य के प्रमुख प्रकार **(12 घंटे)**

- जीवनी, डायरी
- संस्मरण, रेखाचित्र
- रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य

इकाई 3 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- आवारा मसीहा (छात्र संस्करण के प्रारंभिक 100 पृष्ठ) (जीवनी) – विष्णु प्रभाकर

- दद्दा – मैथिलीशरण गुप्त, पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा
- स्मृतिलेखा (रेखाचित्र) – अज्ञेय

इकाई 4 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- अकेला मेला (डायरी) – रमेशचंद्र शाह
- बिदापत-नाच (रिपोर्ताज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- निराला के पत्र (पत्र-साहित्य) – निराला रचनावली (खंड 8)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. नगेंद्र एवं हरदयाल, डॉ. एवं डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. चतुर्वेदी, डॉ. राम स्वरूप; गद्य की सत्ता, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; नया साहित्य – नए प्रश्न, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी।
7. शर्मा, डॉ. रामविलास; निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, नलिन विलोचन (संपादक); हिंदी गद्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSE

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी भषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा के स्वरूप और महत्त्व का परिचय कराना।
- भाषा के व्याकरणिक रूप का परिचय देना।
- हिंदी भाषा के विकारी रूपों की रचना को सिखाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की ध्वनि व्यवस्था का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की वाक्य रचना, अर्थ रचना का परिचय प्राप्त होगा।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(9 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण: स्वर, व्यंजन और मात्राएं

इकाई 2 : शब्द एवं पद विचार **(12 घंटे)**

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद : रचना एवं स्रोत के आधार पर
- शब्द-निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- विकारी शब्दों की रूप-रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

इकाई 3: वाक्य-विचार **(12 घंटे)**

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद : रचना एवं अर्थ के आधार पर
- वाक्य संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न

इकाई 4: अर्थ-विचार **(12 घंटे)**

- अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास : हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
2. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरू, कामताप्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्यसरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
6. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
7. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
भाषा दक्षता और तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE भाषा दक्षता और तकनीक	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा दक्षता के महत्त्व, प्रयोग विस्तार, शैली, भाषिक संस्कृति और भाषिक कौशलों की समझ विकसित करना।
- तकनीक के साथ भाषा के संबंध की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, समीक्षा आदि पहलुओं को सीख सकेंगे।
- भाषा और तकनीक के सह-संबंध के माध्यम से भाषा के व्यावहारिक रूप को जान सकेंगे।

इकाई 1 : भाषा दक्षता का स्वरूप एवं महत्त्व **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता : तात्पर्य और महत्त्व
- भाषा दक्षता : श्रवण एवं वाचन
- भाषा दक्षता : पठन और लेखन

इकाई 2 : भाषा व्यवहार एवं प्रक्रिया **(12 घंटे)**

- भाषा व्यवहार : भाषा प्रयोग एवं शैली का महत्त्व
- भाषा को प्रभावित करने वाले कारक : आयु, वर्ग, लिंग, व्यवसाय, शिक्षा और संस्कृति
- भाषा दक्षता में श्रवण, उच्चारण, शुद्ध पठन और रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया

इकाई 3 : भाषा दक्षता और तकनीक **(12 घंटे)**

- भाषा दक्षता में यूनिकोड का महत्त्व
- गूगल वॉयस सर्च और हिंदी दक्षता
- डिजिटल हिंदी और तकनीक का सह-संबंध

इकाई 4 : भाषा दक्षता : व्यावहारिक पक्ष **((9 घंटे)**

- वाचन : भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, किसी साहित्यिक कृति का पाठ
- लेखन : संक्षेपण,पल्लवन, समीक्षा, रिपोर्ट

संदर्भ ग्रंथों की सूची:

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, सृजनात्मक साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, दिलीप; भाषा,साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, सावित्री; हिंदी शिक्षण, गया प्रसाद एंड संस, आगरा।
4. प्रकाश, डॉ. ओम; व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. मुकुल, डॉ. मंजु; संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, शिवमूर्ति; हिंदी भाषा शिक्षण, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद।
7. स्वयं अधिगम सामग्री, हिंदी शिक्षण प्रविधि, इग्नू, नई दिल्ली।
8. कुमार, निरंजन; माध्यमिक विद्यालयों मे हिंदी शिक्षण, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. गुप्ता, मनोरमा; भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSE

गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व (12 घंटे)

- गांधी-दर्शन की अवधारणा
- गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा
- विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी (9 घंटे)

- गांधी का गीता भाष्य
- गांधी और रामराज
- गांधी और सनातन संस्कृति

इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी **((12 घंटे)**

- जय गांधी – सोहनलाल द्विवेदी
- महात्मा जी के प्रति – सुमित्रानंदन पंत
- बापू (चार प्रारंभिक अंश) – रामधारी सिंह दिनकर
- तुम कागज पर लिखते हो – भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 4 : हिंदी गद्य में गांधी **(12 घंटे)**

- पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ) – गिरिराज किशोर
- दांडी यात्रा (पृष्ठ संख्या 30-67) – मधुकर उपाध्याय
- भारत का स्वराज और महात्मा गांधी (उपसंहार) – बनवारी
- रचनाकार गांधी – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गांधी, महात्मा; हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा; सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण; गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी.; गांधी : जीवन और दर्शन, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. गिरि, राजीव रंजन; गांधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य, नंद किशोर; अहिंसा की संस्कृति, राजकलम प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. धर्माधिकारी, दादा; गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
8. मिश्र, श्री प्रकाश; अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. मिश्र, दयानिधि; गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
10. पारेख, भीखू; गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi

Semester VI : DSE

शोध प्रविधि

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE शोध-प्रविधि	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- साहित्यिक शोध से परिचित कराना।
- शोध के नए आयामों का ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के ज्ञान का विस्तार होगा।
- शोध के प्रतिमानों से परिचित होकर शोध-कार्य कर सकेंगे।

इकाई 1 : शोध की अवधारणा **(9 घंटे)**

- शोध : अवधारणा और स्वरूप
- शोध का क्षेत्र एवं शोध-प्रविधि
- शोध की प्रक्रिया

इकाई 2 : प्रमुख शोध पद्धतियाँ **(12 घंटे)**

- भाषा-वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक शोध, पाठालोचन

इकाई 3 : शोध प्रक्रिया के विविध चरण **(12 घंटे)**

- विषय चयन
- सामग्री संकलन
- तथ्य विश्लेषण
- रूपरेखा निर्माण
- शोध प्रबंध लेखन

इकाई 4 : शोध संबंधित अन्य पक्ष **(12 घंटे)**

- शोध संबंधी समस्याएं
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- शोध के साधन और उपकरण
- संदर्भ सूची निर्माण

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिन्हा, सावित्री; अनुसंधान का स्वरूप।
2. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र; अनुसंधान की प्रक्रिया।
3. शर्मा, विनयमोहन; शोध प्रविधि, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सिंह, सरनाम; शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली।
5. अरोड़ा, हरीश; शोध प्रविधि और प्रक्रिया, के. के. पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. त्रिपाठी, विनायक; शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. पांडेय एवं पांडेय, गणेश एवं अरुण; राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. गणेशन, एस. एन.; अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : GE
भारतीय ज्ञान परंपरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE भारतीय ज्ञान परंपरा	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।
- भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा **(12 घंटे)**

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत : संक्षिप्त परिचय **(12 घंटे)**

- वेद और उपनिषद
- पुराण और इतिहास
- धर्म-शास्त्र और स्मृति ग्रंथ
- रामायण, महाभारत और रामचरित मानस

इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन **(9 घंटे)**

- प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ

- पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा
- प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य-दर्शन **(12 घंटे)**

- नव्य-दर्शन और आधुनिक भारत
- स्वामी विवेकानंद नव्य-वेदांत दर्शन और भारत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
- श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत-बोध

सहायक ग्रंथों की सूची:

- शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, संजय; भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R.N.; Introduction to Indian Knowledge System : Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
- गुप्ता, बजरंग लाल; पं. दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
- दीक्षित, हृदयनारायण; पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज।
- शेखर, हिमांशु; स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
- चौहान, लालबहादुर सिंह; योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : GE

न्यू मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE न्यू मीडिया	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

VII. विद्यार्थियों को नए मीडिया माध्यमों से परिचित कराना।

VIII. नए मीडिया में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।

IX. जनसंचार माध्यम और तकनीक से जुड़ी आचार संहिताओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

VIII. विद्यार्थी नए मीडिया की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होंगे।

IX. विद्यार्थी नए मीडिया माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।

X. फेक न्यूज से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई 1 : न्यू मीडिया : स्वरूप एवं अवधारणा **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया : परिभाषा और स्वरूप
- न्यू मीडिया के विविध रूप
- न्यू मीडिया का प्रसार एवं महत्त्व
- न्यू मीडिया बनाम पारंपरिक मीडिया

इकाई 2 : न्यू मीडिया : नए रूप **(12 घंटे)**

- न्यू मीडिया तथा सूचना तकनीक
- नेटवर्किंग साइट्स तथा एप्स
- सोशल मीडिया
- डिजिटल आर्काइव

इकाई 3 : न्यू मीडिया: तकनीकी पक्ष **(9 घंटे)**

- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- वेबसाइट

- पॉडकास्ट

इकाई 4 : न्यू मीडिया: कानूनी पक्ष **(12 घंटे)**

- पाइरेसी तथा कॉपीराइट अधिकार
- न्यू मीडिया माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- साइबर कानून : सामान्य परिचय
- कृत्रिम मेधा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. कुमार, सुरेश; इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; वर्चुअल रियलिटी, साइबर संस्कृति और इंटरनेट, एकेडेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
4. लता, डॉ. स्नेह; सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. अरोड़ा, डॉ. हरीश (संपादक); पत्रकारिता का बदलता स्वरूप और न्यू मीडिया, साहित्य संचय प्रकाशन, दिल्ली।
6. हरिमोहन, प्रो.; नए माध्यम, नई हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
7. सुमन, स्वर्ण; सोशल मीडिया : संपर्क क्रांति का कल आज और कल, हार्पर, दिल्ली।
8. नंदा, वर्तिका; मीडिया और बाज़ार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

Semester VI : DSC-11

साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR

Semester VI : DSC-12

विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-12 विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी **(12 घंटे)**

- विमर्श की सामाजिक अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कहानी **(12 घंटे)**

- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भण्डारी
- बाबा, कौए और काला धुआँ – रणेंद्र

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता **(12 घंटे)**

- दलित कविता : अछूत की शिकायत – हीरा डोम, ठाकुर का कुआं – ओम प्रकाश बाल्मीकी
- आदिवासी कविता : गुलदस्ते की जगह बेसलरी की बोतलें, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल
- स्त्री कविता : पानदान, हंडा – नीलेश रघुवंशी

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं **(9 घंटे)**

- घर-बाहर – महादेवी वर्मा
- पिजरे की मैना – चंद्रकिरण सोनरेक्सा (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

16. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
17. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
20. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
21. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
22. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
23. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
25. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
26. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
27. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
28. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
29. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
30. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR

Semester VI : DSC-11

साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी नवजागरण

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी नवजागरण	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नवजागरण संबंधी विभिन्न मान्यताओं से परिचित कराना।
- नवजागरणकालीन साहित्य का जानकारी देना।
- नवजागरण संबंधी चिंतन परंपरा से जुड़े पक्षों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नवजागरण संबंधी धारणाओं से परिचित होंगे।
- नवजागरणकालीन साहित्यिक गतिविधियों को जानेंगे।
- नवजागरणकालीन चिंतकों के सरोकारों और गतिविधियों से परिचित होंगे।

इकाई 1 : पुनर्जागरण : अवधारणा एवं महत्त्व **(12 घंटे)**

- पुनरुत्थान एवं पुनर्जागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण व समाज सुधार
- पुनर्जागरण व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन
- हिंदी पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि

इकाई 2 : नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाएं **(12 घंटे)**

- ब्रह्म समाज
- प्रार्थना समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन

इकाई 3 : नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता **(12 घंटे)**

- कविवचन सुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- आनंद कादंबिनी – बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
- सरस्वती – महावीर प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : हिंदी नवजागरण से संबंधित चयनित पाठ **(9 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट
- भारत दुर्दशा – प्रताप नारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भट्ट, बालकृष्ण; निबंध संग्रह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास शर्मा; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. चौहान, शिवदान सिंह; हिंदी साहित्य का अस्सी बरस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दयानंद, स्वामी; सत्यार्थ प्रकाश, किरण प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भाषा, साहित्य और संस्कृति, ओरियंट ब्लैक स्वान, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी स्त्री-लेखन

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE हिंदी स्त्री-लेखन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी स्त्री-लेखन विभिन्न पाठों एवं रचनाकारों से परिचित कराना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री-लेखन की गंभीरता को समझेंगें।
- समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक बनेगें।
- स्त्री-लेखन से संदर्भित प्रश्नों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी स्त्री-लेखन : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- स्त्री-लेखन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी स्त्री-लेखन का प्रारंभ और विकास

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कविता **(9 घंटे)**

- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- नाम और पता – स्नेहमयी चौधरी
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल

इकाई 3 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- दुलाई वाली – राजेंद्र बाला घोष

- स्त्री सुबोधीनी – मन्नू भंडारी
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- ना ज़मी अपनी ना फलक अपना – मालती जोशी

इकाई 4 : हिंदी स्त्री-लेखन : अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा : जीने की कला
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में (अंश – बेटी की शादी)
- कृष्णा सोबती : बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख'
- जूते चिढ़ गए हैं : सूर्यबाला

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. सदायत, चंदा (संपादक); सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
2. भंडारी, मन्नू; त्रिशंकु (कहानी संग्रह), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन।
4. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. जोशी, मालती; ना ज़मी अपनी ना फलक अपना (कहानी संग्रह), साक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजे, सुमन; हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. माधव, नीरजा, हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास, सामायिक बुक्स, दिल्ली।
8. मालती, के. एम.; स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, भवदेव; बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi

Semester VI : DSE

भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति-आंदोलन से परिचित होंगे।
- भक्ति-आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भक्ति-आंदोलन : उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- भक्ति का स्वरूप
- भक्ति-आंदोलन की पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन उद्भव संबंधी अवधारणाएँ
- भक्ति-आंदोलन की विकास-यात्रा

इकाई 2 : भक्ति-आंदोलन का दार्शनिक पक्ष **(12 घंटे)**

- उपनिषद्
- श्रीमद्भागवत पुराण और भगवद्गीता
- वेदांत दर्शन

- प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय – शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

इकाई 3 : भक्ति-आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
- सूफ़ी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

इकाई 4 : भक्ति-आंदोलन और सगुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- सगुण भक्ति का स्वरूप
- राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)
- कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य कोश (भाग1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक); कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. तुलसीदास, गोस्वामी; दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर।

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : GE
हिंदी बाल साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी बाल साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को बाल साहित्य से परिचित कराना।
- बाल साहित्यकारों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में बाल साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- बाल साहित्य के लेखन और प्रकाशन की दिशा में काम होगा जिससे बाल साहित्य समृद्ध होगा।
- बाल साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- बाल साहित्य की अवधारणा एवं परिभाषा
- बाल साहित्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
- बाल साहित्य लेखन की प्रक्रिया / प्रविधि
- बाल साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ

इकाई 2 : प्रमुख बाल कविताएँ / गीत **(12 घंटे)**

- उठो लाल अब आँखें खोलो – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- चाँद का कुर्ता – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- चंदा मामा आ – द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
- विश्वास – बाल कवि बैरागी

इकाई 3 : प्रमुख बाल कथाएँ **(12 घंटे)**

- अक्ल बड़ी या भैंस – अमृतलाल नागर
- दीप जले शंख बजे – जयप्रकाश भारती
- डाकू का बेटा – हरिकृष्ण देवसरे
- मंजिल – भगवती प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : बाल पत्रिकाएँ (सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ) **(9 घंटे)**

- पराग
- साइकिल
- चंपक
- बालभारती

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. देवसरे, हरिकृष्ण (संपादक), भारतीय बाल साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ. सुरेंद्र नाथ; हिंदी बाल साहित्य : परंपरा, विकास एवं मूल्यांकन, कौशल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सेवक, निरंकार देव; बालगीत साहित्य : इतिहास और समीक्षा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
4. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत (संपादक); भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
5. पांडेय, अमिताभ; बाल काव्य के प्रमुख प्रणेता, शिल्पी प्रकाशन, लखनऊ।
6. भारती, जयप्रकाश; बाल पत्रकारिता : स्वर्गयुग की ओर, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।
7. शुक्ल एवं राष्ट्रबंधु, डॉ. त्रिभुवन नाथ एवं डॉ.; भारतीय बाल साहित्य की भूमिका, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. श्रीप्रसाद, डॉ.; हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मूर्ति, सुधा; श्रेष्ठ बाल कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. मनु, प्रकाश; हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियां और संभावनाएँ, कृतिका बुक्स, नई दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi

Semester VI : GE

हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य-बोध की परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक भारतीय मूल्य संपदा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्यों के महत्त्व को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय मूल्यों की जीवंत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्य-बोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में वर्णित भारतीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय मूल्य-बोध का स्वरूप (9 घंटे)

- मूल्य-बोध की भारतीय अवधारणा
- सामाजिक मूल्य
- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्य
- पारिवारिक मूल्य

इकाई 2 : हिंदी काव्य और भारतीय मूल्य-बोध (संक्षिप्त परिचय) (12 घंटे)

- 'रामचरित मानस' में उद्घाटित भारतीय सांस्कृतिक मूल्य
  (केवट प्रसंग, भरत मिलाप प्रसंग, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद प्रसंगों के आधार पर)
- 'भारत भारती' और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्य

- 'रश्मिरथी' और भारतीय पारिवारिक और सामाजिक मूल्य

इकाई 3 : हिंदी की प्रमुख कहानियों में वर्णित भारतीय मूल्य **(12 घंटे)**

- आहुति – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत

इकाई 4 : हिंदी के प्रमुख निबंधों में वर्णित भारतीय मूल्य **(12 घंटे)**

- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- शिक्षा का उद्देश्य – डॉ. संपूर्णानंद
- रहिमन पानी राखिए – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भारती, डॉ. धर्मवीर; मानव-मूल्य और साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ।
2. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
4. वर्मा, सुरेंद्र; भारतीय जीवन मूल्य, पार्श्वनाथ विद्यापीठ ग्रंथमाला, वाराणसी।
5. गुप्ता, डॉ. बजरंग लाल; भारतीय सांस्कृतिक मूल्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. पांडेय, गोविंद चंद्र; मूल्य मीमांसा, राका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER - 4

बी.ए.ऑनर्सहिन्दीपत्रकारिताएवंजनसंचार

Category I

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 10 न्यूमीडिया(4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title& Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 10 न्यू मीडिया	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. **न्यूमीडियाकीअवधारणाएवंउसकेविभिन्नरूपोंकीजानकारीदेना।**
2. **इंटरनेटकेविविधप्रयोगोंसेपरिचितकराना।**
3. **सोशलमीडिया,डिजिटलीकरणकीप्रक्रियाकीजानकारीदेनाऔरभारतीयपरिप्रेक्ष्यमेंडिजिटलमीडिया कीजवाबदेहीकीआवश्यकतासे परिचित कराना।**

Learning Outcomes

1. **छात्र सोशलमीडियाकेविविधस्वरूपोंऔरउनकेप्रयोगकीजानकारीप्राप्तकरेंगे।**
2. **न्यूमीडिया लेखन के विविध रूपों में दक्षता प्राप्त करेंगे।**
3. **व्यवसायिकक्षेत्रमेंउपयोगीप्रशिक्षणमिलेगा।**

1.न्यूमीडियाकीविकासयात्रा: 10घंटे

- **न्यूमीडिया–अवधारणा और स्वरूप**
- **इंटरनेटकीविकासयात्रा,इंटरनेटकेविविधप्रयोग**
- **न्यूमीडियाऔरपारंपरिकमीडियामेंअंतर,सामाजिकपरिवर्तनकेउपकरणकेरूपमेंन्यूमीडियाकीभूमिका**

2. **न्यूमीडियाकेविविधरूप** **10घंटे**

- नईसंचारतकनीक औरडिजिटलमीडियाकास्वरूप
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्स,फेसबुक,टिविटर,यू-ट्यूब,इंस्टाग्राम
- ओटीटीप्लेटफॉर्म,वेबपोर्टल्स,ऑनलाइनगेमिंग,म्यूजिकस्ट्रीमिंग

3. **न्यूमीडियाऔरलेखन :** **10घंटे**

- न्यूमीडियामेंलेखन –कंटेन्टउत्पादन,वेबसाइटलेखन,पॉडकास्टलेखनडिजिटलविज्ञापन-लेखन,न्यूज़पोर्टल्सलेखन,सोशलमीडियामैनेजमेंट
- न्यूमीडियाऔरभाषाशैली
- ऑनलाइनपत्रकारिता–ऑनलाइनपत्र-पत्रिकाएँ,ऑनलाइनन्यूज़वेबपोर्टल्स,मोबाइलपत्रकारिता,साइबरजर्नलिस्ट

4. **न्यूमीडिया प्रभावक्षेत्रऔरआचारसहिंता:**15**घंटे**

- न्यूमीडियाकासामाजिकराजनीतिकआर्थिकप्रभाव
- सोशल मीडिया मैनेजमेंट
- न्यूमीडिया–स्वनियमनऔरआचारसहिंता

प्रायोगिककार्य **30घंटे**

- किसीऑनलाइनसमाचारपत्र–पत्रिकाकेलिएलेखयाफ़ीचरलिखना।
- इन्टरनेटकेविविधप्रयोगोंकोदर्शातेहुएपीपीटीनिर्माणकरना।
- न्यूज़पोर्टलकेलिएसमाचारलेखन
- वेबसाइट्सकेलिएकंटेंटलेखन

संदर्भपुस्तकें :

1. भारतमेंइलेक्ट्रोनिकएवंन्यूमीडिया–डॉराकेशरयालसमयसाक्ष्यप्रकाशन
2. न्यूमीडियाऔरबदलताभारत–प्रांजलधर,कृष्णकांत,भारतीयज्ञानपीठदिल्ली
3. इन्टरनेटजर्नलिज़्म साहिलप्रकाशन- विजयकुलश्रेष्ठ -,जयपुर
4. सोशलमीडियासेसाइबरअपराध–शिवराज,एमएचजैदी–आलियालॉएजेंसी,लखनऊ
5. सोशलमीडियाऔरसामाजिकसरोकार–कल्याणप्रसादवर्मा - साहिलप्रकाशन,जयपुर
6. ऑनलाइनमीडिया–सुरेशकुमार–पियरसनप्रकाशन,भारत

DSC 11 टेलीविजन (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 11 **टेलीविजन पत्रकारिता**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. टेलीविज़न सम्बन्धी तकनीक की जानकारी देना।
2. टेलीविज़न कार्यक्रमों की स्क्रिप्ट लेखन का कौशल विकसित करना।
3. टेलीविज़न समाचारों के संकलन और स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थीटेलीविज़नतकनीककीजानकारीप्राप्तकरेंगे।
2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण संबंधी दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. स्क्रिप्टलेखनमेंदक्षताप्राप्तकरसकेंगे।
4. मीडिया संस्थानों में रोज़गारकेअवसरप्राप्तकरसकेंगे।

1. जनसंचार माध्यम के रूप में टेलीविजन 10घंटे

- भारत में टेलीविजन की विकास यात्रा (दूरदर्शन)
- निजी टेलीविजन चैनलों का प्रारंभ एवं विकास
- टेलीविजन माध्यम : विभिन्न प्रवृत्तियां(ट्रेंड्स) एवं सामाजिक प्रभाव

2. टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण एवं तकनीक 10घंटे

- टेलीविजन कार्यक्रम के विभिन्न प्रकार – समाचार कार्यक्रम, समाचार आधारित कार्यक्रम,

साक्षात्कार, वृत्तचित्र/डॉक्यूमेंट्री, लघु फ़िल्म तथा टेलीफिल्म, धारावाहिक, टॉक/डिबेट शो, रियलिटी शो

- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण के विभिन्न चरण – प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन
- टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण – तकनीकी पक्ष, कैमरा संचालन, शॉट्स, एंगल, मूवमेंट्स,विभिन्न सॉफ्टवेयर्स

3. टेलीविजन समाचार : संकलन एवं लेखन 10घंटे

- टेलीविजन समाचार संकलन के विभिन्न चरण – समाचार स्रोत, फील्ड रिपोर्टिंग, लाइव रिपोर्टिंग
- टेलीविजन समाचार लेखन : एंकर रीड, पैकेज, वॉइस-ओवर, पीस टू कैमरा, वॉक-थ्रू, टिकर, स्क्रॉल, ब्रेकिंगन्यूज़
- टेलीविजन रिपोर्टिंग के आधारभूत सिद्धांत : अपराध, राजनीतिक, संसदीय मामले, खेल, एवं आर्थिक रिपोर्टिंग आदि

4. टेलीविजन समाचार चैनल – संगठन एवं कार्यपद्धति 15घंटे

- समाचार चैनल का संगठन एवं संरचना : संपादकीय, विज्ञापन, प्रशासन, न्यूज़रूम, तकनीकी, इंजीनियर, सुरक्षा
- टेलीविजन स्टूडियो संरचना : स्टूडियो फ़्लोर, एंकर, न्यूज़रूम, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम, सेंट्रल कंट्रोलरूम, ओबी वेन, लाइट, कैमरा कंट्रोल यूनिट, साउंड, मेकअप रूम, आदि
- समाचार न्यूज़रूम की संरचना : इनपुट, आउटपुट, असाइनमेंट डेस्क : कार्य एवं ज़िम्मेदारी, गेस्ट कॉर्डिनेशन

प्रायोगिक कार्य :30घंटे

- किन्हींदोराष्ट्रीयसमाचारचैनलोंकेसमाचारोंकातुलनात्मकअध्ययन ,तथ्यों) (भाषाएवंप्रस्तुतिकरणकीदृष्टिसे
- किसीसांस्कृतिकविषयपरटेलीविज़नधारावाहिककेलिए मिनटकादृश्यनिर्माण 5
- टेलीविज़नकेलिए मिनटकासमाचारबुलेटिनतैयारकरना 5
- टेलीविज़नस्टूडियोकाभ्रमणएवंकार्यरिपोर्टकीप्रस्तुति

सहायक पुस्तकें :

1. टेलीविज़न प्रोडक्शन – प्रो० देवव्रत सिंह,माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)

2. स्मार्ट रिपोर्टर – शैलेश कुमारअल्फा मीडिया ग्रुप, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
3. पत्रकारिता (जो मैंने देखा, जाना-समझा)संजय कुमार सिंह, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. भारत में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया – संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. पत्रकारिता के विविध रूप – डॉ० रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
6. मीडिया की भाषा लीला – रविकांत, लोकचेतना प्रकाशन
7. समाचार संपादन – कमल दीक्षित और महेश दर्पण, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल)
8. भारतीय टेलीविज़न का इतिहास – डॉ० परमवीर सिंह- एड्यूक्रिएशन पब्लिशिंग

DSC 12विकास पत्रकारिता (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 12 विकास पत्रकारिता	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. समावेशी विकास से अवगत कराना
2. छात्रों को विकास के मुद्दों से परिचित कराना।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ प्रदान करना
4. ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसरोंकी जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र समावेशी विकास से अवगत होंगे।
2. छात्रों में विकास और आपदा सम्बंधित समाचार लेखन का कौशल विकसित होगा।
3. विकास और मीडिया के अंतर्संबंधों की समझ विकसित होगी।
4. छात्रों को ग्रामीण और क्षेत्रीय पत्रकारिता में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

1. विकासपत्रकारिताएकपरिचय10घंटे

- विकास की अवधारणा: अर्थ, स्वरूप और महत्व
- विकास के सिद्धांत और मॉडल
- मैकब्राइट कमीशन और मीडिया की भुमिका

2. ग्रामीणविकासऔरक्षेत्रीयपत्रकारिता10घंटे

- भारत का ग्रामीण परिदृश्य और क्षेत्रीय पत्रकारिता
- ग्रामीण विकास, सरकारी योजनाएं और स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका

- पंचायती राज व्यवस्था व ग्रामीण मुद्दों की रिपोर्टिंग और चुनौतियां

3. **स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण क्षेत्र की पत्रकारिता10घंटे**
   - स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र की पत्रकारिता और चुनौतियां
   - पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन, आपदा प्रबंधन और मीडिया
   - असंगठित क्षेत्र की पत्रकारिता, समस्याएँ और चुनौतियाँ

4.ग्रामीण प्रेस की आवश्यकता और चुनौतियां15घंटे

- ग्रामीण और स्थानीय समाचार पत्र - पत्रिकाओं की स्थिति और समस्याएं
- सामुदायिक रेडियो, ग्रामीण मुद्दें(वंचित समुदाय, ग़रीबी कुपोषण, आदि)
- मुख्यधारा की मीडिया में क्षेत्रीय विकास संबंधी कवरेज

प्रायोगिककार्य30घंटे

- विकास संबंधित मुद्दों पर रिपोर्ट लेखन।
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित एक सप्ताह की ग्रामीण विकास संबंधी कवरेज का अध्ययन एवं उसकी रिपोर्टिंग।
- विकास संबंधित सरकारी नीतियों का अध्ययन करना एवं समीक्षात्मक लेख तैयार करना।
- पर्यावरण पर फील्ड विजिट और साक्षात्का करना।
- मुख्यधारा की मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया में वंचित समुदाय के मुद्दों पर समूह चर्चा
- ग्रामीण एवं विकास के मुद्दों से जुड़ी समस्याओं पर डाक्यूमेंट्री अथवा पीपीटी तैयार करना।

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयअर्थव्यवस्था, ईश्वरढींगरा, सुल्तानएंडसंस
2. मासकम्युनिकेशनइनजर्नलऑफनेशनलडेवलपमेंट, विश्वविधालयप्रकाशनवाराणसी
3. मासमीडियानेशनलडवलपमेंट,विल्बरश्रेम, स्टेनफोरयूनिवर्सिटीप्रकाशन
4. ग्रामीणविकासकीचुनौतियां, राजेंद्रआगाल, अक्सप्रकाशन,भोपाल
5. पत्रकारिताएवंविकाससंचार, अनिलकुमारउपाध्याय, भारतीप्रकाशन, वाराणसीपत्रकारिता एवं विकास संचार, प्रो अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, वाराणसी
6. कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता, डॉ अर्जुन तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7. ग्रामीण पत्रकारिता चुनौतियां और संभावनाएं, सुशील भारती, वाणी प्रकाशन
8. आपदा प्रबंधन, शिव गोपाल मिश्र, प्रभात प्रकाशन

Pool of DSEs

DSE 2 नागरिक पत्रकारिता(क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 **नागरिक पत्रकारिता (क)**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. नागरिक पत्रकारिता के स्वरूप एवं मुद्दों को समझाना।
2. नागरिक हितों के संरक्षण में पत्रकारिता की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. नागरिक पत्रकारिता की नैतिकता का ज्ञान कराना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र नागरिक पत्रकारिता के महत्व से अवगत होंगे।
2. लोकतंत्र, नागरिक हित एवं पत्रकारिता के आपसी संबंधों की जानकारी प्राप्त होगी।
3. नागरिक पत्रकारिता की नैतिकता के मुद्दों को जान पायेंगे।

1.नागरिक पत्रकारिता : परिचय एवं सिद्धान्त **10घंटे**

- नागरिक पत्रकारिता : अर्थ और महत्त्व
- नागरिक पत्रकारिता के तत्व और सिद्धांत
- नागरिक पत्रकारिता एवं सामाजिक सक्रियता

2.नागरिक पत्रकारिता –प्लेटफ़ार्म एवं टूल 10घंटे

- नागरिक पत्रकारिता के विविध उपकरण
- नागरिक पत्रकारिता की चुनौतियाँ
- नागरिक पत्रकारिता के मुद्दें

3.नागरिक पत्रकारिता एवं नैतिकता 10घंटे

- नागरिक पत्रकारिता की आचार संहिता की आवश्यकता
- नैतिकता एवं नागरिक पत्रकारिता
- प्रमुख नागरिक आंदोलन एवं नागरिक पत्रकारिता

4.नागरिक पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया 15घंटे

- सोशल मीडिया : क्षेत्रीय मुद्दों की अभिव्यक्ति
- नागरिक पत्रकारिता में फ़ेक न्यूज़ के ख़तरे
- नागरिक पत्रकारिता की संभावनाएँ

प्रायोगिक कार्य : 30घंटे

- नागरिक हितों से जुड़ी स्टोरी की विषयवस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
- जन आंदोलन में नागरिक पत्रकारिता की भूमिका का विश्लेषण करना।
- सोशल मीडिया में आने वाले नागरिक मुद्दों पर रिपोर्ट तैयार करना।
- सोशल मीडिया ट्रेंड में जनहितों के मुद्दों का लोगों पर प्रभाव का विश्लेषण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. नागरिक पत्रकारिता समस्या एवं समाधान, राकेश नेम एवं प्रियंका वाधवा, अरिहंत प्रकाशन, दिल्ली
2. नागरिक पत्रकारिता, पवन मलिक, हिन्दी बुक सेंटर
3. ग्रामीण क्षेत्र की पत्रकारिता, डॉ रेणुका नय्यर, हरियाणा साहित्य अकादमी
4. आर टी आई पत्रकारिता (खबर, पड़ताल, असर) श्यामलाल यादव,
5. एथिक्स इन सिटीजन जर्नलिज्म, के डी मिश्र एवं एस कृष्णा स्वामी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस

DSE 2जीवनशैली पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 **जीवनशैली पत्रकारिता (ख)**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जीवनशैलीकेविविधआयामोंसेपरिचितकराना।
2. बदलतेवैश्विकदौरमेंभारतीयजीवनशैलीकामहत्त्व बताना।
3. स्वस्थजीवनशैलीऔरपत्रकारिताकेपरिपेक्षयमेंपत्रकारिताकीभूमिकासेअवगतकराना।
4. जीवनशैलीपत्रकारितामेंकौशलविकसितकरना।

Course Learning Outcomes

1. छात्रजीवनशैलीकेविविधआयामोंसेपरिचितहोंगे
2. बदलतेवैश्विकदौरमेंभारतीयजीवनशैलीकेप्रतिछात्रोंकारुझानबढ़ेगा
3. स्वस्थजीवनशैलीकेपरिप्रेक्ष्यमेंपत्रकारिताकीभूमिकासेअवगतहोंगे।
4. जीवनशैलीपत्रकारिता में रोजगारकी संभावनाओं से परिचितहोंगे।

1.जीवनशैली :अवधारणाएवंआयाम 10घंटे

- जीवनशैली :सामान्यपरिचय औरमहत्त्व
- पुरातनऔरआधुनिकजीवनशैलीमेंअंतर
- आधुनिकजीवनशैली : भारतीय समाज औरसंस्कृति पर प्रभाव

2.जीवन शैली पत्रकारिता : लक्ष्य एवं विविध रूप

- जीवन शैली पत्रकारिता का लक्ष्य
- जीवन शैली पत्रकारिता के विविध रूप ,फैशन पत्रकारिता ,पर्यटन पत्रकारिता ,खाद्य पत्रकारिता ,उपभोक्ता पत्रकारिता आदि
- विज्ञापन और जीवन शैली का अंतरसंबंध

3. जनसंचार के विविध माध्यम और जीवन शैली पत्रकारिता 10 घंटे

- प्रिंटमाध्यमोंमेंजीवन-शैलीपत्रकारिता का स्वरूप
- टेलेविज़नमाध्यममें जीवन शैली पत्रकारिता
- डीजिटल मीडिया में जीवन शैली पत्रकारिता

.4जीवनशैलीपत्रकारिताकेसामाजिकसांस्कृतिकप्रभाव 15घंटे

- ग्लोबलमीडियाकाभारतीयजीवन-शैलीएवंसंस्कृतिपर
- जीवन-शैलीपत्रकारिताकीचुनौतियाँएवंप्रबंधन
- जीवन-शैलीपत्रकारिता की प्रासंगिकताऔरसंभावनाएं

व्यावहारिककार्य30घंटे

- प्रिन्ट मीडिया के लिए जीवनशैलीआधारितसामग्री का निर्माण
- जीवनशैलीसंबंधीविज्ञापनोंएवंफिल्मोंकाअध्ययनऔरसामग्री निर्माण
- पत्र-पत्रिकाओंमेंप्रकाशितजीवनशैलीसम्बन्धीसामग्रीपरसामूहिकचर्चा
- पर्यावरण, फैशन, पर्यटन ,ग्लैमर, धर्मसेजुड़ेप्रमुखव्यक्तित्वसेभेंटवार्ताएवंसाक्षात्कार

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता की विभिन्न विधाएँ, निशांत सिंह, राधा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
2. भारतीय जीवन मूल्य, कामिनी कामायनी, ज्ञान गंगा, दिल्ली
3. आध्यात्म और जीवन शैली, पवित्र कुमार शर्मा, शिलालेख प्रकाशन, दिल्ली
4. जीवन-शैली स्वस्थ जीवन का आधार – डॉ फ़णि भूषण दास, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, दिल्ली

DSE 2पाड्कास्ट निर्माण (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2**पॉडकास्ट निर्माण (ग)**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. रेडियो संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. पॉडकास्ट के सिद्धांत और उसकी तकनीक से अवगत कराना।
3. पॉडकास्ट के विविध रूपों की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी पॉडकास्ट की तकनीक, और निर्माण प्रक्रिया सीखेंगे।
2. विविधऑडियो-वीडियो पॉडकास्ट बनाकर पॉडकास्ट प्लेटफ़ॉर्म पर अपलोड करना जानेगें।
3. पॉडकास्ट के क्षेत्र में रोज़गारपरक संभावनाओं से परिचित होंगे।

1.पॉडकास्ट : एक परिचय 10घंटे

- पॉडकास्ट: परिभाषा,स्वरूप औरविकास
- पॉडकास्टकेक्षेत्रऔरप्रकार
- हिन्दीऔरविदेशीपॉडकास्टप्लेटफार्मकापरिचय

2.हिन्दीपॉडकास्टकासामाजिक,आर्थिकऔरसांस्कृतिकपरिदृश्य10घंटे

- समाचार, सूचना, शिक्षाऔरमनोरंजनऔरपॉडकास्ट
- साहित्यिकसांस्कृतिकसंचारऔरपॉडकास्ट
- जीवनशैलीकेविविधरूपऔरपॉडकास्ट

3. हिन्दीपॉडकास्टनिर्माणप्रक्रिया10घंटे

- पॉडकास्ट :योजनाऔरविषयकाचुनाव

- पॉडकास्ट: इंट्रोऔर आउटरोतथाबैकग्राउंडम्युजिक
- पॉडकास्ट : भाषा एवं उपकरण

4. पॉडकास्ट पोस्ट प्रोडक्शन 15घंटे

- पॉडकास्ट :रिकॉर्डिंग, पॉडकास्टहोस्टिंग/अपलोडिंग
- पॉडकास्ट:प्लेटफॉर्मऔरउनकीआचारसंहिता,
- पॉडकास्टविज्ञापन,हिन्दीपॉडकास्टमोनिटाइजेशन,

व्यावहारिक कार्य 30घंटे

- किसीसामाजिकविषयपरऑडियोपॉडकास्टकीपटकथातैयारकरना ।
- किसीसमसामयिकमुद्देपरपॉडकास्टबनाना ।
- महत्वपूर्णसमाचारपरवीडियोपॉडकास्टबनाना ।
- समाचारबुलेटिनकावीडियोपॉडकास्टतैयारकरना

Essential/recommended readings

1. मीडिया व्यवसाय कोहली वी और खांडेकर ,सेज प्रकाशन ,दिल्ली,2013
2. पी फॉर पॉडकास्ट ,भार्गवी स्वामी,द राइट ऑर्डर प्रकाशन,बैंगलुरु,2021
3. पॉडकास्ट कैसे शुरू करें,वर्मा नीतीश,2021

GE (क)पटकथा लेखन(4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) पटकथालेखन	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- विधाकेरूपमेंपटकथाकीजानकारीप्रदानकरना।
- पटकथालेखनकाव्यावहारिकज्ञानप्रदानकरना।
- पटकथालेखनकेअनेकआयामोंऔरशब्दावलियोंकीजानकारीदेना।
- पटकथालेखनकीतकनीकऔरव्यावसायिक संभावनाओंसेपरिचितकराना ।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी पटकथा और सामान्य कथा के अंतर को स्पष्ट कर सकेंगे।
- विधा के रूप में पटकथा से संपूर्णता में परिचित होंगे।
- पटकथा लेखन में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा के विविध आयामों की व्यावसायिक संभावनाओं का उपयोग करना सीख सकेंगे।

1. पटकथापरिचय10घंटे

- विधाकेरूपमेंपटकथा, पटकथाऔरकहानी, नाटकऔरपटकथा
- पटकथाकेतत्व :प्लॉट, घटनाएं, दृश्य, द्वंद, स्वरूपएवंगुण
- पटकथाकेप्रकार :फीचरफिल्म, वृतचित्र, धारावाहिक, वीडियोगेम, एनिमेशन

2. पटकथालेखन: सिद्धांतएवंव्यवहार 10घंटे

- पटकथालेखनकेविविधसिद्धांत: तीनअंकीयसंरचना, नायकीययात्रा, सिडफ़ील्डप्रतिमान, सीक्वेंसअप्रोच, असंबद्धकथा (नॉनलीनियरकथानक)
- पटकथालेखनकीतकनीकऔरप्रक्रिया :कथा-पटकथा, दृश्ययोजना, चरित्रनिर्माण, कथाविभाजन (प्रस्तावना-संघर्ष-समाधान)

- पटकथाकीभाषा-शैली: शब्द, मौन, ध्वनि, आइकॉन, सिंबल, मेटाफ़र

3.साहित्य, संस्कृतिऔरतकनीक **10घंटे**

- साहित्यिककृतियाँएवंपटकथालेखन: चयनकाआधार, रूपान्तरण, मौलिकताऔरप्रयोग
- पौराणिकआख्यानऔरपटकथालेखन: कल्पनाकेलिएअवकाश, लोकमान्यता, कलात्मकछूटकासवाल, विचारधाराओंकाप्रभाव
- पटकथालेखनमेंकैमरा, प्रकाशऔरध्वनि, वीएफएक्सतकनीक, प्रमुखसॉफ्टवेयर

4.पटकथालेखन: शब्दावलीऔरउपादान **15घंटे**

- पटकथालेखन: शॉट-सीन-सीक्वेंस, दर्शकोंकीसमझ, दृश्यसंबंधीनिर्देश, दृश्यात्मकता, संवाद, नाटकीयता, ऑडियो-विज़ुअलइमेजिनेशन, उपादान: (मोंताज़, सीरीजऑफ़शॉट्स)
- हिंदीकेप्रमुखपटकथालेखकएवंसाहित्यिककृतियोंकाफिल्मांतरण
- पटकथालेखनकीचुनौतियां: व्यावसायिकता, दबावसमूह, आचारसंहिता

प्रायोगिककार्य : **30घंटे**

- हिंदीकेप्रमुखपटकथाकारोंऔरउनकेद्वारालिखीपटकथाओंकाअध्ययनकररिपोर्टप्रस्तुति
- हिंदीउपन्यासअथवाकिसीहिंदीकहानीपरबनीफिल्मकीपटकथापरसमूहचर्चा
- पटकथाकेव्यावहारिकलेखनपरपरियोजनाकार्य
- किसीपटकथालेखककासाक्षात्कार
- किसीसाहित्यिककृतिकापटकथामेंरूपांतरण

सहायकपुस्तकें :

1. भारतीयसिनेसिद्धांत, अनुपमओझा, राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली
2. पटकथालेखन :एकपरिचय, मनोहरश्यामजोशी, राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
3. कथा-पटकथा, मन्नूभंडारी, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली
4. व्यावहारिकनिर्देशिका - पटकथालेखन, असग़रवजाहत, राजकमलप्रकाशन,नईदिल्ली
5. पटकथातथासंवादलेखन, विपुलकुमार, श्रीनटराजप्रकाशन
6. टेलीविजनलेखन, असग़रवजाहत, प्रभातरंजन, राधाकृष्णप्रकाशन,नईदिल्ली
7. पटकथाकैसेलिखें, राजेंद्रपांडे, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली
8. सिनेमाकेबारेमें (जावेदअख़्तरसेनसरीनमुन्नीकबीरकीबातचीत), अनुवाद - असग़रवजाहत, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली
9. कथा-पटकथासंवाद, हूबनाथ, अनभैप्रकाशन, मुंबई

GE (ख) संचार क्रांति और ग्लोबल मीडिया (4)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) संचार क्रांति और ग्लोबल मीडिया	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्योंऔरभूमिका से अवगत कराना।
- सूचना की शक्ति का विस्तृत परिचय देना।
- ग्लोबलमीडिया की अवधारणा से परिचित कराना।
- प्रमुख ग्लोबल समाचार पत्र और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफॉर्म से अवगत कराना

Course Learning Outcomes

- छात्रोंको अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्यों और महत्व की जानकारी मिलेगी।
- छात्र ग्लोबल मीडिया की अवधारणा से परिचित होंगे।
- छात्रों में ग्लोबल मीडिया को विश्लेषित और मूल्यांकन करने का कौशल विकसित होगा।
- छात्रों में तीसरी दुनिया के देशों के पाठकों/दर्शकों/श्रोताओं को समझने की आलोचनात्मक सोच विकसित होगी।

1. **सूचनाक्रांतिऔरवैश्विकपरिदृश्य10घंटे**
    - डिजिटल क्रांतिऔरसूचनासमाज
    - अंतरराष्ट्रीयस्तरपरसूचनाप्रवाह
    - मीडियाकाबहुराष्ट्रीयकरण एवं एजेंडा सेटिंग

2.ग्लोबलमीडिया:सामान्यपरिचय 10घंटे

- ग्लोबलमीडियाकाअर्थऔरस्वरूप,
- प्रमुखग्लोबलसमाचारपत्रएवं समाचारसमितियां

- प्रमुखग्लोबलटेलीविजननेटवर्करेडियोऔर ,डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म

3.नयीसूचनाव्यवस्थाऔरसंचार 10घंटे

- नई सूचना व्यवस्था में यूनेस्कोकीभूमिका
- ग्लोबलमीडियाकाअंतरराष्ट्रीयसंबंधोंपरप्रभाव,विकसितऔरविकासशीलदेशोंकेमध्यसूचनाअसंतुलन
- ग्लोबल मीडिया में भारत की छविएवं मुद्दे

4. ग्लोबलमीडियाव्यवस्था और भारतीय मीडिया 15घंटे

- पश्चिमी आधिपत्य एवं ग्लोबलमीडियास्वामित्व
- भारतमेंमीडियास्वामित्वकास्वरूप:क्रॉसमीडियाऑनरशिप, विदेशी निवेश
- भारतमेंसमाचारपत्र,समाचारचैनलऔरडिजिटलमीडियाकास्वामित्व,

प्रायोगिककार्य : 30घंटे

- ग्लोबलमीडियापररिपोर्टतैयारकरना।
- किसीमीडियासंस्थानकाभ्रमणऔरउसकीरिपोर्टतैयारकरना।
- भारतीयप्रेसटेलीविजनप्रसारणकेउद्भवविकासपरपोस्टरयापीपीटीतैयारकरना।/रेडियो/
- विभिन्नदेशोंकेअंतरराष्ट्रीयसमाचारपत्रपढ़ना
  अन्तराष्ट्रीयरेडियोप्रसारकोकेकार्यक्रमसुननाऔरउनकेविभिन्नपक्षों/अंतरराष्ट्रीयटीवीचैनलदेखना/ विषयसामग्री),कवरेज,नैतिकपरिप्रेक्ष्य (पररिपोर्टतैयारकरना।

सहायकपुस्तकें :

- भारतीयपत्रकारिताकोश,विजयदत्तश्रीधर,वाणीप्रकाशननयीदिल्ली ,
- भूमंडलीकरणकीचुनौतियां,सच्चिदानंदसिन्हा नयीदिल्ली ,वाणीप्रकाशन,
- प्रारंभिकभारतकापरिचय,रामशरणशर्माओरियंटब्लैकस्वान,
- हिंदीपत्रकारिताकेकीर्तिमान,जगदीशप्रसादचतुर्वेदी,साहित्यसंगम,इलाहाबाद
- मैन्युफैक्चरिंगकंसेंटदपॉलीटिकलइकोनामीऑफदमासमीडिया,हरमनएसएडवर्डएंडनोमचोम्स्कीवन)1995(आरएसयूआर
- इंडियासकम्युनिकेशनरिवॉल्यूशन:फ्रॉमबुलककार्ट्सटूसाइबरमार्टस
  रोगेर्ससेजपब्लिकेशन.अरविन्दसिंघलएंडएवेरेटऍम,

Community outreach (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Community outreach	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1समाजकेविभिन्नमुद्दोंकेप्रतिमीडियाछात्रोंकोजागरूक .करना।

2. छात्रोंमेंसामाजिकसरोकारकीसमझविकसितकरना।

3. समाज, संस्थानऔरमीडियाउद्योगमेंसमन्वयस्थापितकरना।

4. छात्रोंमेंमीडियाव्यवसायकीव्यावहारिकसमझविकसितकरना।

Course Learning Outcomes

1. समाजकेविभिन्नमुद्दोंकेप्रतिछात्रजागरूकहोंगे।

2. छात्रोंमेंसामाजिकसरोकारकीसमझविकसितहोगी।

3. मीडियाव्यावसायकाव्यवहारिककौशलविकसितहोगा।

4. समाज, संस्थानऔरमीडियाउद्योगमेंसमन्वयस्थापितहोगा।

Syllabus: 60घंटे

1. विविधसमुदायोंकेसाथमीडियाजागरूकतापरकार्यशाला।

2. विभिन्नमीडियाचैनलोंद्वाराआयोजितचर्चामेंहिस्सालेना।

3. मीडियासंस्थानोंकाभ्रमण)समाचार-पत्र,पत्रिका, रेडियोएवंटीवी(

4. विभिन्नसमसामयिकमुद्दोंपरचर्चाकीरिकॉर्डिंगतैयारकरना।

5.विश्वविद्यालयएवंकॉलेजोंकेविविधकार्यक्रमोंकीकवरेजकरना प्रिंट), रेडियो, वीडियो, लाइव(

6. भ्रमणएवंगतिविधियोंकीसाप्ताहिकरिपोर्टतैयारकरप्रकाशितकरना।

7.समाजकेविविधक्षेत्रोंउत्कृष्टकार्यकरनेवालेलोगोंकेसाक्षात्कारकरना।

8.संबंधितशिक्षकसेनियमितचर्चाएवंमार्गदर्शनमेंगतिविधियोंकोकार्यान्वितकरना।

9. स्थानीयमुद्दोंपररिपोर्टिंगऔरपरिचर्चाकाआयोजनकराना।

10.मीडियालैबमेंमीडियाकार्यक्रमतैयारकरना।

<u>फील्डवर्कसेमेस्टरमें:</u>

- सप्ताहमेंन्यूनतम4घंटेछात्रकोसमाजमेंदेनेहोंगे।कार्यकीजांच)1 घंटा) समुहमार्गदर्शन (1 घंटा(
- छात्रोंकीसामुदायिकभ्रमणमें प्रतिशतउपस्थितिअनिवार्यहोगी 80।
- छात्रोंकामीडियासंस्थानयासमाजमेंभ्रमणशिक्षकोंकेदेखरेखएवंनिर्देशनमेंहोगा।-

नोट

:हिंदीपत्रकारिताएवंजनसंचारपाठ्यक्रमकेलिएआधुनिकसुविधाओंसेलैसऑडियोवीडियोमीडियालैब अनिवार्यहै।छात्रोंकेप्रायोगिकप्रशिक्षणहेतुमहाविद्यालयमेंअपेक्षितमीडियाउपकरण, तकनीकीक्षमतारखनेवालेसहायककर्मी, उपयोगीसॉफ्टवेयरएवंकम्प्यूटरकेसाथप्रोजेक्टरऔरइंटरनेटकीसुविधाकीव्यवस्थाकीजाए।

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER - 6

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार for Undergraduate Honours

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 13 जनमाध्यम के सिद्धांत

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
जनमाध्यम के सिद्धांत	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. छात्रों में जनमाध्यमों की समझ विकसित करना
2. छात्र को भारतीय संचार की अवधारणा से परिचित कराना
3. छात्रों को जनमाध्यम और समाज के बीच संबंध से अवगत कराना।
4. छात्रों को जनमाध्यम संदेशों पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया की पहचान कराना
5. जनसंचार के विविध प्रारूप और सिद्धांतों से परिचित कराना।

Learning Outcomes

1. जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी।
2. संचार की भारतीय अवधारणा से परिचित होंगे।
3. जन माध्यमों के समाज पर प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।
4. जनमाध्यमों के सिद्धांतों से परिचित होंगे।
5. जनमाध्यम के संदेशों से व्यक्तिगत प्रभाव का आकलन कर सकेंगे।

1. जनमाध्यम : परिचय **10 घंटे**

- जनमाध्यम: स्वरूप एवं प्रकार
- जन माध्यम: कार्यशैली एवं उद्देश्य
- जनमाध्यमों की जनमत निर्माण में भूमिका : एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल

2. संचार के मॉडल **10 घंटे**

- संचार प्रारूप (मॉडल) के प्रकार : लीनियर, नॉन लीनियर एवं मिश्रित
- प्रमुख संचार प्रारूप: अरस्तु, शैनन एवं वीवर,ऑसगुड, लासवेल एवं विल्बर श्रैम
- आधुनिक संचार प्रारूप: न्यूकॉम्ब, गर्बनर, वेस्तले एवं मैकलीन, व्हाइट गेटकीपिंग

3. जनसंचार के सिद्धांत **10 घंटे**

- जनसंचार के समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
- जनसंचार का नियामक सिद्धांत (प्रभुत्ववादी, उदारवादी, सामाजिक उत्तरदायित्व, साम्यवादी सिद्धांत, लोकतांत्रिक सहभागिता का सिद्धांत, मीडिया विकास का सिद्धांत)
- अन्य सिद्धांत: बुलेट सिद्धांत, गेटकीपिंग का सिद्धांत, क्लटीवेशनल सिद्धांत, जनसमाज सिद्धांत

4. माध्यम-प्रभाव अध्ययन **15 घंटे**

- जनमाध्यमों की प्रस्तुति की समीक्षा
- फीड बैक, फीड फ़ारवर्ड
- उपभोक्तावादी संस्कृति से मीडिया में आये बदलावों की समीक्षा

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी एक चयनित संचार सिद्धांत की प्रासंगिकता का सर्वे और आपसी बातचीत के आधार पर पीपीटी तैयार करना
- किसी समसामयिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार की मीडिया प्रस्तुति की केस स्टडी तैयार करना
- किसी समसामयिक सामाजिक/ आर्थिक/ राजनीतिक/ तकनीकी मुद्दे पर भाषण तैयार कर उसकी प्रस्तुति करना
- किन्ही दो प्रिंट अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की समाचार प्रस्तुति का तुलनात्मक अध्ययन एवं प्रस्तुति
- जनमत निर्माण हेतु प्रश्नावली निर्माण और उसके आधार पर सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारत में जनसंचार, केवल जे कुमार, जैको पब्लिशिंग हाउस मुंबई
2. संचार के सिद्धांत, आशा हिंगड़, मधु जैन, सुशीला पारीक, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. संप्रेषण: प्रतिरूप एवं सिद्धांत, डॉ श्रीकांत सिंह, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, फैजाबाद
4. संचार के मूल सिद्धांत, ओमप्रकाश सिंह, लोक भारती प्रकाशन
5. मास कम्युनिकेशन थ्योरी, डेनिस मैक्वेल, सेज पब्लिकेशन नई दिल्ली
6. कम्युनिकेशन मीडिया यस्टरडे टुडे एंड टुमारो, पीएन मल्हन, प्रकाशन विभाग नई दिल्ली
7. कम्युनिकेशन, सीएस रेडु, हिमालय पब्लिशिंग हाउस मुंबई
8. द प्रोसेस एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन, श्रैम, डब्लू एंड रोबर्ट्स डीएफ

DSC 14 हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 14 **हाशिए का समाज और हिंदी मीडिया**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. हाशिए के समाज की अवधारणा से परिचित करवाना।
2. हाशिए के समाज की समस्याओं से अवगत करवाना।
3. हिंदी मीडिया में हाशिए के समाज की भूमिका बताना।
4. सामाजिक बदलाव के लिए छात्रों को तैयार करना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र हाशिये के समाज के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. छात्र समाज का महत्त्व समझेंगे।
3. छात्र समाज परिवर्तन के लिए तैयार होंगे।

1. भारतीय सामाजिक व्यवस्था और हाशिए का समाज **10 घंटे**

- हाशिए का समाज – अर्थ और अवधारणा
- भारतीय सामाजिक व्यवस्था और समस्याएं
- सामाजिक विकास में हाशिए के समाज का योगदान

2. दलित- आदिवासी समाज और मीडिया **10 घंटे**

- दलित और आदिवासी वर्ग की समस्याएं
- मीडिया की मुख्यधारा दलित और आदिवासी समाज
- मीडिया की ख़बरें और समतामूलक समाज – निर्माण का उद्देश्य एवं सामाजिक समरसता

3. जेंडर समानता और अस्मिता विमर्श 10 घंटे

- स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा
- मीडिया के जेंडर समानता के सवाल
- थर्ड जेंडर का मुद्दा और हिंदी मीडिया

4. अस्मिता विमर्श और माध्यम व्यवहार 15 घंटे

- लोक संस्कृति के पहलू और हाशिए का समाज
- जन माध्यमों का बाजार और हाशिए का जीवन
- सामाजिक न्याय और मीडिया

प्रायोगिक कार्य 30 घंटे

- महाविद्यालय में हाशिए के समाज सम्बन्धी कार्यक्रम की रिपोर्टिंग करवाना।
- किसी एक अख़बार की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- किसी एक चैनल की हाशिए के समाज सम्बन्धी ख़बरों का विश्लेषण।
- हाशिए के समाज के प्रमुख व्यक्तित्व से भेंटवार्ता और साक्षात्कार।

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया के सामाजिक सरोकार कालूराम परिहार, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा०लिमिटेड, नईदिल्ली
2. भारतीय समाज (अनुवाद:वंदना मिश्र) श्यामा चरण दुबे, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
3. समकालीन मीडिया- परिदृशय और अस्मिता मूलक विमर्श डा०मधु लोमेश, हेमाद्रि प्रकाशन, नईदिल्ली
4. आधुनिकता के आइने में दलित समाज, अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन प्रा०लि०, दिल्ली
5. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एन्डब्यूटर्स, दिल्ली

DSC 15 विज्ञापन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 15 **विज्ञापन**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. छात्रों को मीडिया में विज्ञापन के महत्व से अवगत कराना।
2. छात्रों को विज्ञापन निर्माण का व्यवहारिक अभ्यास कराना।
3. छात्रों को विज्ञापन के भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र मीडिया के अर्थतंत्र को जान पायेंगे।
2. विज्ञापन के कॉपी निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विज्ञापन में भाषा की रचनात्मकता का महत्व सीख सकेंगे ।
4. विज्ञापन की आचार संहिता को जान पायेंगे।

1. विज्ञापन : अर्थ एवं सिद्धांत **10 घंटे**

- विज्ञापन : अर्थ, प्रकार एवं उद्देश्य
- विज्ञापन के सिद्धांत : AIDA व DAGMAR
- ब्रांड की अवधारणा

2. माध्यमगत विज्ञापन **10 घंटे**

- प्रिंट एवं ई/डिजिटल विज्ञापन की विशेषता
- रेडियो विज्ञापन
- वीडियो/टेलीविजन विज्ञापन की विशेषता

3. विज्ञापन निर्माण एवं भाषा **10 घंटे**

- विज्ञापन कॉपी निर्माण एवं तत्व
- विज्ञापन में रचनात्मकता एवं भाषाई प्रयोग
- विज्ञापन अभियान एवं चरण

4. विज्ञापन एवं समाज **15 घंटे**

- विज्ञापन का समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव
- विज्ञापन परिषद की आचार संहिता
- विज्ञापन एजेंसी की संगठन संरचना

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- किसी एक विषय पर विज्ञापन की कॉपी तैयार करना।
- रेडियो जिंगल तैयार करना।
- सामाजिक जागरूकता हेतु वीडियो विज्ञापन तैयार करना।
- समाज पर विज्ञापन के प्रभाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हिन्दी विज्ञापनों का पहला दौर, आशुतोष पार्थेश्वर, अद्वैत प्रकाशन
2. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ रामचंद्र तिवारी, अलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन तकनीक एवं संपादन, डॉ नरेंद्र यादव, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
4. **विज्ञापन की दुनिया, प्रो कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली**

DSE 3 हिंदी सिनेमा (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 **हिंदी सिनेमा (क)**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objectives

1. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास यात्रा से अवगत करवाना।
2. हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त तकनीकी दक्षता प्रदान करना।
3. हिंदी सिनेमा जगत के विविध आयामों से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. सिनेमा के क्षेत्र में उत्पन्न रोज़गार के अवसरों का लाभ ले पायेंगे।

1. हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा
- सिनेमा के विषय : सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनैतिक, पारिवारिक, कॉमेडी, हॉरर
- हिंदी सिनेमा का वर्गीकरण : लोकप्रिय सिनेमा, समानांतर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा

2. हिंदी सिनेमा : तकनीक एवं प्रविधियाँ **10 घंटे**

- सिनेमा : तकनीकी एवं कौशल : पटकथा, अभिनय, संवाद, गीत, संगीत, नृत्य, निर्देशन, प्रस्तुतीकरण

- स्पेशल इफ़ेक्ट्स तकनीक
- सिनेमेटोग्राफ़ी

3. हिंदी सिनेमा : अर्थशास्त्र और प्रबंधन **10 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बाज़ार : राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय
- हिंदी सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक
- सिनेमा समीक्षा, सेंसर बोर्ड, सिनेमा संबंधी तकनीकी शब्दावली

4. हिंदी सिनेमा का समकालीन परिदृश्य **15 घंटे**

- हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप : न्यू सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म, शॉर्ट फ़िल्म्स
- हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र
- लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन : दो बीघा ज़मीन, मदर इंडिया, पूरब-पश्चिम, स्वदेश, तारे ज़मीन पर, चक दे इंडिया

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी चर्चित फ़िल्म की समीक्षा
- किसी साहित्यिक कहानी का संवाद लेखन एवं दृश्य रूपांतरण करना
- समसामयिक विषयों पर 5 मिनट की लघुफ़िल्म का निर्माण
- समाचार पत्र के फ़िल्म आधारित परिशिष्ट पेज का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

9. सिनेमा का जादुई सफ़र : प्रताप सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. फ़िल्म निर्माण के कारक तत्व : बालकृष्ण राव, राजमंगल प्रकाशन
11. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा, शशि प्रकाशन
12. Encyclopedia of Hindi Cinema, Govind nihlani, Gulzar, Saibal Chatterjee, Britannica Press
13. Great Movies 100 years of cinema, parragon Books
14. Reviewing Hindi Cinema since 1945, Suman Shakya, Notion Press

DSE 3 खोजी पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Coursetitle & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 **खोजी पत्रकारिता (ख)**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

4. स्टिंग पत्रकारिता के स्वरूप की जानकारी देना।
5. छात्रों को स्टिंग पत्रकारिता के महत्व से परिचित कराना।
6. स्टिंग पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

4. स्टिंग पत्रकारिता और उसके प्रयोग की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. स्टिंग पत्रकारिता के महत्व को समझेंगे।
6. छात्रों को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

1. खोजी पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप **10 घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : अर्थ, परिभाषा एवं विभिन्न प्रकार
- सामान्य रिपोर्टिंग तथा खोजी पत्रकारिता में अंतर
- खोजी पत्रकारिता में मौलिकता का महत्व

2. खोजी रिपोर्ट एवं शोधपरक पड़ताल **10 घंटे**

- खोजपरक रिपोर्टिंग में शोध का महत्व एवं प्रयोग
- आंकड़ों का व्यवस्थित एवं प्रासंगिक अध्ययन
- आंकड़ों का तथ्यपरक एवं तुलनात्मक विश्लेषण

3. स्टिंग ऑपरेशन : सिद्धांत, तकनीक, उपकरण एवं प्रयोग **10 घंटे**

- स्टिंग ऑपरेशन : विधा की विशेषताएं एवं प्रशिक्षण
- स्टिंग ऑपरेशन : आवश्यक उपकरण एवं तकनीक
- स्टिंग ऑपरेशन : व्यावहारिक चुनौतियां एवं संभावित खतरे और क़ानूनी पहलू

4. खोजी पत्रकारिता तथा स्टिंग ऑपरेशन : सामाजिक प्रभाव एवं विश्वसनीयता **15 घंटे**

- खोजी पत्रकारिता : सामाजिक प्रभाव
- व्यवस्था परिवर्तन एवं खोजी पत्रकारिता : (बोफोर्स तथा टू जी घोटाले के उदाहरण)
- स्टिंग ऑपरेशन : विश्वसनीयता एवं नैतिकता के प्रश्न

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- प्रमुख 5 स्ट्रिंग ऑपरेशन का अध्ययन कर उनकी रिपोर्ट प्रस्तुति करना।
- स्टिंग ऑपरेशन प्रविधि का आकलन करते हुए एक खोजी रिपोर्ट तैयार करना।
- ऑफलाइन – ऑनलाइन स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवादों पर एक आलोचनात्मक लेख तैयार करना।
- स्टिंग ऑपरेशन के प्रभावों की समीक्षा विषय पर समूह चर्चा।

सहायक पुस्तकें :

1. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और स्टिंग ऑपरेशन – सतीश शर्मा जाफराबादी, तक्षशिला प्रकाशन
2. स्टिंग ऑपरेशन का सच भूपेन पटेल, पेंगुइन
3. इन्टरनेट जर्नलिज़्म - विजय कुलश्रेष्ठ -साहिल प्रकाशन जयपुर
4. स्टिंग ऑपरेशन सिध्द्धांत एवं व्यवहार – डॉ एस श्रीकान्त ,श्री नटराज प्रकाशन

DSE 3 लोक संस्कृति और समाज (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 **लोक संस्कृति और समाज (ग)**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- लोक संस्कृति की जानकारी प्रदान करना।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की जानकारी देना।
- सभ्यता-संस्कृति की समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

- विद्यार्थी लोक संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।
- लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अर्जित ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य कर सकेंगे।
- भूमंडलीकरण के दौर में लोक संस्कृति की व्यवहारिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
- सभ्यता और संस्कृति की समीक्षा कर सकेंगे।
- लोक संस्कृति की व्यवसायी संभावनाओं का उपयोग करना सीख सकेंगे।

1. लोक संस्कृति : परिचय **10 घंटे**

- लोक संस्कृति : अर्थ, अवधारणा, विशेषताएँ, सभ्यता और संस्कृति

- लोक संस्कृति और समाज का अंतर्संबंध
- लोक संस्कृति : महत्व, संकट और संभावनाएँ

2. लोक साहित्य,समाज एवं संस्कृति **10 घंटे**

- लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथाएं, लोक साहित्य में प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की उपस्थिति (1857 का स्वाधीनता संग्राम, स्वाधीनता आंदोलन, स्वतंत्र भारत में युद्ध)
- लोक साहित्य और भाषा का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
- लोक संस्कृति और अभिजनवादी संस्कृति, लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य

3. जनमाध्यम और लोक संस्कृति **10 घंटे**

- जनमाध्यम में लोक संस्कृति की स्थिति (पत्र-पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, ओटीटी, सोशल मीडिया), कंटेंट और भाषा
- पॉपुलर कल्चर और लोक संस्कृति, मीडिया और संस्कृति का अंतर्संबंध
- जनमाध्यमों पर अभिव्यक्ति की चुनौतियाँ तथा लोक भाषा

4. विमर्श और लोक संस्कृति **15 घंटे**

- आधुनिकता और लोक संस्कृति : इतिहास, विज्ञान, आख्यान, प्राच्यवाद
- लोक और विमर्श : आदिवासी, स्त्री, दलित, पर्यावरण,
- स्व और लोक संस्कृति, सांस्कृतिक वर्चस्व और लोक संस्कृति

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- लोकगीतों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति करना
- हिंदी उपन्यास अथवा किसी हिंदी कहानी पर बनी फिल्म की पटकथा पर समूह चर्चा।
- लोक साहित्य लोक कथाओं का संकलन तथा अनुवाद करना।
- किसी लोक संस्कृतिकर्मी से भेंटवार्ता एवं साक्षात्कार करना।
- लोक संस्कृति के किसी रूप पर परियोजना कार्य (रामलीला, रासलीला, आल्हा)
- लोक संस्कृति की जानकारी के लिए किसी एक गाँव की सर्वे के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना।

सहायक पुस्तकें :

1. लोक संस्कृति के विविध आयाम, महीपाल सिंह राठौड़, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, 2021
2. हिंदी प्रदेश के लोक गीत , डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
3. लोक साहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा) लिमिटेड
4. संस्कृति के चार अध्याय, रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन
5. भारतीय संस्कृति, डॉ. देवराज, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
6. संस्कृति की आंतरिक लय के स्रोत, वियोगी हरि, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, प्रकाशन विभाग
7. वासुदेव शरण अग्रवाल रचना-संचयन, चयन एवं संपादन- कपिला वात्स्यायन, साहित्य अकादेमी
8. भारत की पहचान, चयन एवं संपादन- गिरीश्वर मिश्र, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
9. लोक संस्कृति की रूपरेखा, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन

GE मीडिया और मानवाधिकार (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteofthecourse (ifany)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) **मीडिया और मानवाधिकार**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objectives

1. मानवाधिकार के महत्व से परिचित कराना।
2. मानवाधिकारों की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत कराना।
3. मानवाधिकारों के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना।

Course Learning Outcomes

1. मानव अधिकार के महत्त्व से परिचित होंगे।
2. मानव अधिकार की रक्षा में मीडिया की भूमिका से अवगत होंगे।
3. मानव अधिकार के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे।

1. मानवाधिकार का परिचय **10 घंटे**

- मानवाधिकारों का स्वरूप और विकास
- मानव अधिकार का महत्व एवं प्रकार
- प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध और यूएनओ का मानव अधिकार चार्टर

2. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन और मीडिया **10 घंटे**

- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों (यूएनओ, ह्यूमन राइट कमीशन, ह्यूमन राइट वॉच, एमनेस्टी इंटरनेशनल आदि) की गतिविधियां एवं मीडिया।
- राष्ट्रीय एवं राज्य मानवाधिकार आयोग, केंद्र एवं राज्य सरकारें, नौकर शाही, न्याय-पालिका और पुलिस व्यवस्था की मीडिया में छवि एवं मानवाधिकार।
- निजी एवं गैर-सरकारी मानव अधिकार संगठनों की गतिविधियां और मीडिया में उनकी प्रस्तुति।

3. ज्वलंत एवं समसामयिक मानवाधिकार संबंधी मुद्दे और मीडिया **10 घंटे**

- युद्ध एवं हिंसा सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- स्त्री सम्बंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया
- बाल एवं वृद्ध मानवाधिकार संबंधी ज्वलंत मुद्दे और मीडिया

4. मीडिया और मानवाधिकार **15 घंटे**

- 'हेट-स्पीच', मानवाधिकार और मीडिया
- मीडिया में माफिया आतंक का महिमामंडन और मानवाधिकार
- मीडिया की प्रतिबद्धता और मानवाधिकार

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- मानवाधिकार संबंधी किसी फिल्म का समीक्षात्मक विश्लेषण
- किसी टीवी चैनल में प्रसारित समाचार में मानवाधिकार की प्रस्तुति का विश्लेषण
- मानवाधिकारों के उल्लंघन संबंधित केस स्टडी का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना।
- मानवाधिकार आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पर समूह चर्चा
- किसी एक समाचार पत्र में प्रकाशित मानवाधिकार से जुड़ी खबरों का रिपोर्ट लेखन
- मानवाधिकारों के प्रति समाज जागरण हेतु पोस्टर निर्माण

संदर्भ पुस्तकें :

1. मानवाधिकार एक परिचय – डॉ. रणधीर कुमार, संकल्प प्रकाशन
2. मानवाधिकार और मीडिया - मुकुल श्रीवास्तव, एटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
3. मानवाधिकार – डॉ. विजेंद्र सिंह बौद्ध, युवराज प्रकाशन, आगरा
4. मानव अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता - जस्टिस गुलाब गुप्ता, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी
5. मानवाधिकार और महिलाएं – डॉ. (श्रीमती) ममता चंद्रशेखर, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी

GE वेब पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) **वेब पत्रकारिता**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

- विद्यार्थियों को वेब पत्रकारिता के परिवर्तित स्वरूप से परिचित कराना।
- वेब लेखन तकनीक की जानकारी देना।
- वेब पत्रकारिता के नैतिक और कानूनी आयामों से अवगत कराना।

Course learning outcomes

- विद्यार्थी वेब समाचार,फीचर और लेखन तकनीक में दक्ष होंगे।
- वेब सामग्री का निर्माण और संपादन कार्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- वेब सामग्री निर्माण के वैधानिक पक्ष की जानकारी से समृद्ध होंगे।

1. वेब पत्रकारिता **10 घंटे**

- वेब पत्रकारिता की परिभाषा महत्त्व और प्रकार
- वेब पत्रकारिता की उत्पत्ति और विकास
- वेब पत्रकारिता का सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, बदलते समाज में वेब पत्रकारिता की भूमिका

2. वेब पत्रकारिता के रूप और प्रारूप **10 घंटे**

- वेब के लिए फोटो, वेब के लिए ऑडियो और वीडियो
- सूचना-ग्राफिक्स और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन, मल्टीमीडिया पैकेज और मल्टी-मीडिया वृत्तचित्र
- वेब पत्रकारिता के रूप और उपकरण, वेब समाचार, वेब विज्ञापन, मार्केटिंग की पैकेजिंग और वितरण

3. वेब पत्रकारिता के लिए लेखन **10 घंटे**

- समाचार लेखन बनाम वेब के लिए लेखन

- वेब पत्रकारिता के लिए हेडलाइंस, हाइपरलिंक्स और सर्च इंजन अनुकूलित लेखन, सोशल नेटवर्किंग साइट्स में लेखन
- लिखने के लिए ग्राफिक्स और छवियों का उपयोग, वेब, वेब सामग्री लेखन और सर्च इंजन के साथ इसका संबंध

4. कन्वर्जेंट पत्रकारिता और वेब **15 घंटे**

- कन्वर्जेंट पत्रकारिता की परिभाषा, इसका विकास, प्रौद्योगिकी और अभिसरण (कन्वर्जेंस)
- कन्वर्जेंट पत्रकारिता का क्षेत्र, आभासी और वास्तविक कन्वर्जेंट पत्रकारिता के बीच अंतर, कम्युनिकेशन कन्वर्जेंस बिल 2001, प्रमुख भारतीय समाचार पोर्टलों का संक्षिप्त परिचय
- नेटवर्किंग वेबसाइटें, वेब 2.0 आदि की विशेषताएं एवं अनुप्रयोग

प्रायोगिक कार्य: **30 घंटे**

- किसी वेबसाइट के लिए फीचर तैयार करना।
- ब्लॉग बनाना और उसमें समसामयिक विषयों पर लेख लिखना।
- किसी न्यूज पोर्टल के लिए समाचार तैयार करना।
- अपने संस्थान की महत्वपूर्ण गतिविधियों की फोटोग्राफी करना, वीडियो रिपोर्ट और पॉडकास्ट बनाना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction, focal Press

Community outreach (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
Community outreach	2			2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
3. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
4. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
3. मीडिया व्यावसाय का व्यवहारिक कौशल विकसित होगा।
4. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

Syllabus : 120 घंटे

1. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
2. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
3. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
4. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।
5. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
6. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।

7. समाज के विविध क्षेत्रों **में** उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।
8. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में **विभिन्न मीडिया** गतिविधियों को कार्यान्वित करना।
9. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।
10. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

फील्ड वर्क सेमेस्टर में :

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) सम्**मू**ह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

नोट : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर के साथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था **होनी चाहिए**।

SEMESTER - 6

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार for Undergraduate Honours

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 16 जनसम्पर्क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 16 **जनसम्पर्क**	4	3		1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित कराना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क के उपयोग से अवगत कराना।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालना।
4. जनसंपर्क में कौशल विकसित करना।

Learning Outcomes

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लाभान्वित होंगे।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली का ज्ञान अर्जित करेंगे।
4. जनसंपर्क के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे।

1. जनसंपर्क: अवधारणा और विकास **10 घंटे**

- जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- जनसंपर्क के विकास का भारतीय परिदृश्य, जनसंपर्क के विकास का वैश्विक परिदृश्य
- जनसंपर्क के सिद्धान्त और साधन

2 जनसंपर्क विभाग: संरचना और कार्य प्रक्रिया **10 घंटे**

- जनसंपर्क विभाग की संरचना और कार्य
- जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी व निजी क्षेत्र का जनसंपर्क
- जनसंपर्क : आंतरिक एवं बाह्य

3 जनसंपर्क अभियान एवं जनमत निर्माण **10 घंटे**

- जनसंपर्क अभियान
- जनमत निर्माण में जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका
- जनसंपर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व

4 जनसंपर्क के विविध आयाम **15 घंटे**

- आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क
- जनसंपर्क, विज्ञापन, प्रचार और प्रोपेगेंडा
- जनसंपर्क उद्योग और जनमाध्यम

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी एक सरकारी जनसंपर्क विभाग के संगठन और कार्य योजना पर रिपोर्ट लिखना।
- किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेना।
- आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक या स्वास्थ्य विषयक जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क प्रबंधन, डॉ कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन
2. जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ सुशील त्रिवेदी, शशि कांत शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. जनसंपर्क अवधारणा एवं बदलता स्वरूप, कृ शि मेहता, किताब घर प्रकाशन
4. जनसंपर्क के विविध आयाम, पवित्र श्रीवस्तव सी के सक्सेना, राजकमल प्रकाशन
5. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन

DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 17 **डिजिटल संचार के नए आयाम**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. डिजिटल संचार लेखन में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना ।
3. डिजिटल संचार लेखन के व्यावहारिक, नैतिक और वैधानिक आयामों से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न नए डिजिटल प्लेटफार्म की लेखन पद्धति सीखेंगे।
2. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा ।
3. डिजिटल संचार लेखन के विविध कानूनी और नैतिक आयामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

1. डिजिटल संचार **10 घंटे**

- डिजिटल संचार: स्वरूप और विकास
- डिजिटल संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- डिजिटल संचार के उपकरण: इन्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज पोर्टल, ऐप्स, ओटीटी प्लेटफार्म, इन्टरनेट रेडियो, एचडीटीवी, ई मेल आदि।

2. डिजिटल संचार के नए आयाम **10 घंटे**

- वेब ट्रेफिक, गूगल ट्रेंड्स, FB पोस्ट, ट्वीट, ऑडियो बुक, वेब सीरिज
- लाइव चैट, चैट बॉट, चैट जीपीटी, वीडियो चैट, वेब कॉलिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग
- डिजिटल विज्ञापन, शॉर्ट्स वीडियो, रील, मीम्स, ऑडियो वीडियो किस्सागोई, एसएमएस, इमोजी, स्टीकर

3. डिजिटल संचार, मार्केटिंग और जनसम्पर्क **10 घंटे**

- डिजिटल जनसम्पर्क के उपकरण, डिजिटल जनसम्पर्क में मार्केटिंग और ब्रांड प्रचार
- मिक्स मार्केटिंग में डिजिटल संचार का उपयोग और ब्रांड निर्माण में डिजिटल संचार का उपयोग, मार्केटिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और जनसम्पर्क के संबंध
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन स्पॉन्सरशिप और ब्रांड प्रचार, डिजिटल संचार का उपयोग करने वाले ब्रांड्स की केस स्टडी

4. डिजिटल संचार की संस्कृति और सूचना युग **15 घंटे**

- मीडिया सामग्री बनाम डिजिटल मीडिया सामग्री और वर्तमान विचारधारा
- डिजिटल सामग्री और बौद्धिक संपदा, डिजिटल सामग्री के कार्यान्वयन का उपयोग, महत्व और क्षेत्र
- सोशल मीडिया पर डिजिटल सामग्री प्रबंधन का महत्त्व

प्रायोगिक कार्य: **30 घंटे**

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- किसी कॉलेज इवेंट के लिए शॉर्ट वीडियो का निर्माण करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- ब्लॉग बनाकर उसमें फीचर और लेख लिखना।
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए डिजिटल जनसंपर्क उपकरण का निर्माण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction,focal Press
6. Itule & Andersson (2002),News writing and reporting for today's media, MecGraw Hill publication
7. Davidson Amber -Controversies in digital ethics, Bloomsbury pub.

DSC 18 मीडिया शोध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 18 **मीडिया शोध**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

4. छात्रों को शोध के महत्व से अवगत कराना।
5. शोध की सामाजिक उपयोगिता की जानकारी देना।
6. मीडिया में शोध सर्वे एवं विषयवस्तु विश्लेषण का महत्व बताना।

Course Learning Outcomes

5. छात्र वैज्ञानिक अध्ययन का महत्व जान पायेंगे।
6. शोध के विविध चरणों की जानकारी से छात्रों की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।
7. शोधकर्ता के उत्तरदायित्व को जान पायेंगे।
8. साहित्य चोरी एवं संदर्भ लेखन के महत्व का ज्ञान होगा।

1. शोध : अर्थ एवं सिद्धांत **10 घंटे**

- शोध : अर्थ, उपयोगिता एवं उद्देश्य
- शोध के विभिन्न प्रकार एवं चरण
- शोध की नैतिकता, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व

2. शोध-प्रक्रिया **10 घंटे**

- शोध – समस्या का चयन, विषय निर्धारण, चर (वेरिएबल) प्रकार

- साहित्य अवलोकन, उद्देश्य एवं शोध परिकल्पना : अर्थ, प्रकार
- सैंपलिंग : अर्थ, प्रकार एवं आवश्यकता

3. शोध प्रविधि **10 घंटे**

- शोध में आँकड़ें : प्राथमिक एवं द्वितीयक
- शोध विधि : सर्वे -अनुसूची एवं प्रश्नावली, विषयवस्तु विश्लेषण, प्रयोगात्मक, केस स्टडी आदि
- प्रश्नावली के प्रकार एवं निर्माण

4. शोध परिणाम एवं साहित्य चोरी **15 घंटे**

- आँकड़ों का एकत्रीकरण, व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण
- शोध परिणाम : सामान्यकरण, समस्या, संभावनाएँ एवं उपयोगिता
- संदर्भ सूची: आवश्यकता एवं स्टाइल, साहित्य चोरी

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- विभिन्न विषयों पर शोध प्रश्नावली तैयार करना एवं आकड़ें एकत्रित करना।
- सामाजिक महत्व के किसी विषय पर छात्रों में सर्वे करना।
- सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण करना।
- समाचार पत्रों की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।
- ओपिनियन पोल जानने हेतु चुनावी सर्वे करना।

सहायक पुस्तकें :

5. शोध पद्वति, सी आर कोठारी, न्यू ऐज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुसंधान : प्रक्रिया और प्रविधि, साहित्य सरोवर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. रिसर्च मैथडोलॉजी, लक्ष्मी नारायण कोहली, वायी के प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रिसर्च मैथडोलॉजी : ए स्टेप बाय स्टेप गाइड फॉर बिग्नर्स, रणजीत कुमार, सेज पब्लिकेशन

DSE 3 मीडिया प्रबंधन (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 **(क) मीडिया प्रबंधन**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित करना।
2. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरुप एवं संगठन की जानकारी प्रदान करना।
3. मीडिया के अर्थशास्त्रीय प्रबंधन की समस्याओं एवं चुनौतियाँ से अवगत करना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरुप संगठन की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी मीडिया अर्थशास्त्रीय यथार्थ से अवगत होंगे।

1 मीडिया प्रबंधन की अवधारणा **10 घंटे**

- मीडिया प्रबंधन : अर्थ और महत्त्व
- मीडिया प्रबंधन के सिद्धांत
- मीडिया प्रबंधन : प्रबंधन विभाग, नीतियाँ और क्रियान्वयन

2 मीडिया संस्थान : संरचना एवं प्रबंधन **10 घंटे**

- मीडिया स्वामित्व और प्रबंधन
- प्रबंधन नियंत्रण कौशल
- राजनीतिक और प्रशासनिक दवाब

3 मीडिया संस्थानों में प्रबंधन का स्वरुप **10 घंटे**

- प्रिंट मीडिया का प्रबंधन स्वरुप **:** (समाचार पत्र और पत्रिकाओं के संदर्भ में संपादकीय प्रबंधन, मुद्रण प्रबंधन एवं वितरण प्रबंधन)
- रेडियो की प्रबंधन प्रक्रिया : (ऑल इंडिया रेडियो और एफ़०एम० चैनल के संदर्भ में)
- टेलीविज़न की प्रबंधन प्रक्रिया : (प्रोडक्शन, प्रसारण, विज्ञापन, जनसंपर्क और केबल नेटवर्क प्रबंधन)

4 मीडिया प्रबंधन का आर्थिक पक्ष **15 घंटे**

- प्रबंधन और पूँजी नियोजन, मीडिया संस्थानों का अर्थशास्त्र
- विदेशी पूँजी निवेश, मीडिया का बदलता परिदृश्य
- मीडिया संस्थानों की आर्थिक समस्याएँ

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी एक मीडिया हाउस के प्रबंधक का साक्षात्कार।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी एक संस्थान का भ्रमण कर उसके प्रबंधन पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी समाचार पत्र अथवा पत्रिका के प्रबंधन विभाग की जानकारी प्रस्तुत करना।
- किसी भी विषय पर जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

सहायक पुस्तकें :

1. समाचार एवं प्रबंधन – गुलाब कोठारी – राधाकृष्ण प्रकाशन
2. आधुनिक मीडिया प्रबंधन – डॉ० भगवान देव पाण्डेय – मिथिलेश कुमार पाण्डेय - तक्षशिला प्रकाशन
3. मीडिया प्रबंधन के सांस्कृतिक आयाम – डॉ० टी०एस० 'आलोक' – वाणी प्रकाशन
4. मीडिया प्रबंधन 5 का मंत्र – विजय जोशी और श्री राजेंद्र सिंह – राजकमल प्रकाशन
5. मीडिया प्रबंधन – डॉ० ऋतु गोठी खत्री - लक्ष्य प्रकाशन
6. मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन की रूपरेखा – आर०बी०एस० वर्मा / अतुल प्रताप सिंह- न्यू रॉयल बुक कंपनी (NCBC)

DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित कराना।
2. शैक्षिक पत्रकारिता के विविध आयामों की जानकारी देना।
3. शिक्षा एवं शिक्षण के स्तर पर जानकारी विकसित करते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षु पत्रकारों का रुझान पैदा करना।
4. शैक्षिक पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी शैक्षिक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
2. समाजहित में शैक्षिक पत्रकारिता की उपादेयता को समझेंगे।
3. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे।
4. इस क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से अवगत होंगे।

1 शैक्षिक पत्रकारिता : परिचय **10 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता: अवधारणा एवं उद्देश्य
- शैक्षिक पत्रकारिता की आवश्यकता और महत्त्व
- शैक्षिक पत्रकारिता का इतिहास

2 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध रूप **10 घंटे**

- प्रिंट माध्यम और शैक्षिक पत्रकारिता
- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों – रेडियो टेलीविज़न में शैक्षिक पत्रकारिता का स्वरूप
- सोशल मीडिया और शैक्षिक पत्रकारिता- (गूगल याहू क्योरा पॉडकास्ट ट्विटर ब्लॉग फेसबुक)

3 शैक्षिक पत्रकारिता : रिपोर्टिंग तकनीक **10 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता के स्रोत
- शैक्षिक पत्रकारिता–कवरेज क्षेत्र
- शैक्षिक रिपोर्टिंग और लेखन कौशल

4 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध आयाम **15 घंटे**

- शैक्षिक पत्रकारिता और सामाजिक विकास
- व्यावसायिक दौर में शैक्षिक पत्रकारिता और नैतिक प्रश्न
- शैक्षिक पत्रकारिता चुनौतियाँ और संभावनाएं

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- किसी समाचार पत्र के शैक्षिक परिशिष्ट अथवा एक सप्ताह की शैक्षिक खबरों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- शिक्षा चैनल या रेडियो पर प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों की समीक्षा
- शिक्षा संबंधी मुद्दों पर समूह चर्चा
- अपने **विद्यालय** अथवा महा**विद्यालय** परिसर में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रमों पर रिपोर्ट लेखन\ साक्षात्कार \न्यूज़ रील\ पॉड कास्ट अथवा ब्लॉग लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. शिक्षा, मीडिया और राजनीति (वैचारिकी)– तेजपाल सिंह 'तेज़'– बुक वन ग्राफिक्स, दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- मीनाक्षी सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3. संचार दर्पण – रमेशचंद्र त्रिपाठी, न्यू रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
4. सामाजिक पत्रकारिता – भरत झुनझुनवाला , श्री नटराज प्रकाशन , दिल्ली
5. इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता – डॉ. अजय कुमार सिंह , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली

DSE 2 खेल पत्रकारिता (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 **खेल पत्रकारिता (ग)**	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित करवाना।
2. खेल पत्रकारिता की विशेषताओं से अवगत कराना।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. खेलों का जीवन में महत्व समझेंगे।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगें।

1. **खेल पत्रकारिता : सामान्य परिचय** **10 घंटे**
   - खेल पत्रकारिता की अवधारणा और विकास
   - प्रमुख खेल एवं प्रतियोगिताएं (ओलंपिक, पैरालम्पिक, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेल, क्रिकेट विश्व कप फीफा विश्व कप, सुपर सीरीज, ग्रैंड स्लैम राष्ट्रीय खेल, लीग प्रतियोगिताएँ)
   - प्रमुख खेल संस्थाएं : भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय ओलंपिक संघ, भारतीय खेल फेडरेशन एवं PEFI (फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया)

2. **प्रिंट मीडिया में खेल लेखन** **10 घंटे**
   - समाचार पत्र का खेल-पृष्ठ, मैच रिपोर्ट्स, रिव्यु और फॉलो-अप, रिपोर्टिंग
   - फीचर प्रोफाइल लेखन, कॉलम लेखन, इंटरव्यू, फोटो पत्रकारिता

- खेल पृष्ठ सम्पादन, खेल आंकड़ों और रिकॉर्ड का महत्त्व

3. **खेल प्रसारण एवं लेखन** **10 घंटे**
   - रेडियो, टीवी, सीधा प्रसारण, ओबी वैन प्रसारण व्यवस्था, रिकार्डेड प्रसारण, विशेष कार्यक्रम निर्मिति
   - खेल बुलेटिन, खेल एंकर, कमेंटटेटर, मल्टीस्पोर्ट्स प्रसारण, खेल प्रोग्राम पैकेजिंग
   - न्यू मीडिया एवं खेल : खेल केन्द्रित वेबसाईट, ब्लॉग, सोशल मीडिया,मोबाइल पत्रकारिता

4. **खेल पत्रकारिता एवं समाज** **15 घंटे**
   - खेल पत्रकारिता और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
   - खेल पत्रकारिता और आचार संहिता
   - खेल पत्रकारिता और बाज़ार : खेल मार्केटिंग, खेल आयोजन और मीडिया का व्यवसायिक सम्बन्ध, मर्चेनडाइजिंग

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- खेल विषयक 10 समाचारों का लेखन करना।
- किसी खिलाड़ी अथवा खेल पत्रकार का साक्षात्कार करना।
- खेल पृष्ठ निर्माण करना।
- केस स्टडी (खिलाड़ी/खेल/मुद्दे) पर करना।
- खेल देखकर मोबाइल कमेंट्री करना।
- खेल विषयक डॉक्युमेंट्री निर्माण करना।
- किसी एक खेल की पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए रिपोर्ट लिखना।

संदर्भित पुस्तकें :

1. पदमपति शर्मा : खेल पत्रकारिता, प्रभात प्रकाशन, 2011
2. सुशील दोषी, सुरेश कौशिक : खेल पत्रकारिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2006
3. डॉ. आशीष कुमार द्विवेदी : खेल पत्रकारिता के आयाम, हिंदी बुक सेण्टर, 2021
4. प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ. प्रभाशंकर मिश्र : खेल पत्रकारिता, भारती प्रकाशन, 2018
5. स्मिता मिश्र, सन्नी कुमार गोंड : भारतीय खेल : समकालीन विमर्श, सर्वभाषा प्रकाशन, 2022
6. स्मिता मिश्र, सुरेश कुमार लौ, सन्नी कुमार गोंड : ओलंपिक गाथा ईश्वरीय मिथक से मानवीय मिथक तक, इंडिया नेट्बूक्स, 2021
7. डा. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

8. रामचंद्र तिवारी : पत्रकारिता के विविध रूप : आलेख प्रकाशन
9. प्रवीण दीक्षित : जनमाध्यम और पत्रकारिता : सहयोगी साहित्य संस्थान,कानपुर
10. Sports Journalism: A Practical Introduction, Second Edition, Phil Andrews, SAGE Publications Ltd, 2014
11. Sports Journalism: An Introduction to Reporting and Writing, Kathryn T. Stofer and James R. Schaffer, Rowman & Littlefield Publishers, 2009

GE (क) वैकल्पिक मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) वैकल्पिक मीडिया	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. वैकल्पिक मीडिया से परिचित कराना।
2. मुख्यधारा मीडिया और वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति की जानकारी देना।
3. लोकतंत्र में वैकल्पिक मीडिया का महत्व **बताना।**
4. वैकल्पिक मीडिया की **व्यावसायिक** संभावनाओं से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी वैकल्पिक मीडिया से परिचित हो सकेंगे।
2. मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. लोकतंत्र में सरोकारपरक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
4. वैकल्पिक मीडिया में **व्यावसायिक** संभावना**ओं से अवगत होंगे।**

1. वैकल्पिक मीडिया : परिचय **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया : अर्थ, अवधारणा, उद्देश्य

- वैकल्पिक मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में अंतर (संगठन और कार्य-संस्कृति)
- वैकल्पिक मीडिया की आवश्यकता और इतिहास

2. वैकल्पिक मीडिया: स्वरूप और संरचना **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया के विविध रूप (पारंपरिक और आधुनिक)
- सूचना प्रौद्योगिकी और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया की विषयवस्तु और भाषा, रिपोर्टिंग का स्वरूप

3. वैकल्पिक मीडिया: विविध परिप्रेक्ष्य **10 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया का सामाजिक जीवन पर प्रभाव, वैकल्पिक पत्रकारिता (लघु पत्र-पत्रिकाएं, शार्ट फिल्म्स, ओटीटी, यूट्यूब, ब्लॉग)
- रोजगार के परिप्रेक्ष्य में वैकल्पिक मीडिया, अर्थ-स्रोत
- वैकल्पिक मीडिया की चुनौतियां और संभावनाएं, न्यू मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

4. वैकल्पिक मीडिया: समसामयिक विमर्श **15 घंटे**

- वैकल्पिक मीडिया में हाशिए का समाज, संस्कृति उद्योग और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया : विचारधारा, एजेंडा सेटिंग, सामाजिक आंदोलन
- वैकल्पिक मीडिया का वर्ग-चरित्र और नैरेटिव (तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य)

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया के स्वरूप का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- वैकल्पिक मीडिया के विस्तार, विषय, कार्य-संस्कृति पर समूह चर्चा और वार्ता
- समसामयिक विमर्शों से संबद्ध व्यावहारिक परियोजना कार्य
- वैकल्पिक मीडिया में सामाजिक आंदोलनों की उपस्थिति पर केस स्टडी
- वैकल्पिक मीडिया में भारतीय संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों की उपस्थिति पर टिप्पणी लेखन
- सर्वे के आधार पर किसी एक वैकल्पिक मीडिया की कार्यशैली, टारगेट ऑडियंस तथा अर्थ-तंत्र पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया, शासन और बाजार, अरविन्द मोहन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
2. वैकल्पिक मीडिया, लोकतंत्र और नॉम चॉम्स्की, सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. मीडिया विमर्श, रामशरण जोशी, सामयिक **प्रकाशन**
4. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. पत्रकारिता के नए आयाम, सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन

6. पत्रकारिता के नए आयाम, एस के दुबे, राजकमल प्रकाशन

7. भारत में प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया, संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन

GE (ख) साइबर मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) साइबर मीडिया	4	3	0	1	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनसंचार में साइबर मीडिया का महत्व बताना।
- साइबर मीडिया के विविध आयामों की जानकारी देना।
- साइबर मीडिया के एप्लीकेशन्स से अवगत कराना।
- समाचार वेबसाइट, ब्लॉग और मोबाइल कम्युनिकेशन के लिए कंटेंट निर्माण का परिचय देना।
- साइबर कानून और उसमें नैतिकता के महत्व से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

- संचार प्रौद्योगिकी की समझ विकसित होगी।
- साइबर मीडिया का प्रभावशाली तरीके से प्रयोग करना सीखेंगे।
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग एवं लेखन का कौशल प्राप्त करेंगे।
- ऑनलाइन मीडिया के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कंटेंट विकसित करने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- साइबर कानून, साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा संबंधी समझ विकसित होगी।

1 साइबर मीडिया: परिचय एवं अवधारणा **10 घंटे**

- साइबर मीडिया: परिभाषा, महत्व और भारत में साइबर पत्रकारिता
- साइबर मीडिया तकनीक और विशेषताएं
- साइबर मीडिया और मीडिया के अन्य रूपों में अंतर, संचार माध्यम के रूप में साइबर मीडिया

2 ऑनलाइन मीडिया रिपोर्टिंग 10

- ऑनलाइन पत्रकारिता: उद्देश्य, प्रकार एवं विशेषताएं
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग: परंपरागत रिपोर्टिंग, मुक्त स्रोत (ओपन सोर्स) रिपोर्टिंग एवं वर्गीकृत रिपोर्टिंग
- ऑनलाइन पत्रकारिता के ट्रेंड्स एवं ऑनलाइन पत्रकार की विशेषताएं

3 ऑनलाइन मीडिया के लिए लेखन **10 घंटे**

- ऑनलाइन लेखन : तत्व एवं विशेषताएं, कहानी एवं समाचार विकास के लिए डिजिटल मीडिया पर ग्राफ, इंफो ग्राफिक्स, मानचित्र, कार्टून, संकेतों और प्रतीकों का उपयोग
- ऑनलाइन लेखन के प्रकार: ब्रेकिंग न्यूज़, न्यूज़ स्टोरी , मल्टीमीडिया दृश्य स्टोरी लेखन, प्लेटफॉर्म आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन: न्यूज़ वेबसाइट और ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए लेखन, अंतर्संबंध (इंटरएक्टिव) लेखन, एसईओ (SEO) आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन, फैक्ट चेकिंग
- ई-मेल लिखना, ट्विटर के लिए लेखन – ट्वीट, ट्वीट संबंधी लेखन दिशानिर्देश, ट्विटर टिप्स और उपकरण, फेसबुक पर लेखन, ब्लॉग लेखन, विषय-वस्तु का चुनाव करना, कहानियों का क्रम बनाना, पाठकों की संख्या बनाए रखना, चुनौतियाँ एवं ब्लॉग कमेंट

4 साइबर अपराध और कानून **15घंटे**

- साइबर मीडिया और साइबर कानून, परिचय एवं आवश्यकता
- आईसीटी (ICT) 2000, 2008, 2021, बैंक और ई-रिकॉर्ड के रखरखाव संबंधी नीति
- हैकिंग: नैतिक और अनैतिक, स्थिति, साइबर अपराध एवं भारत में वेबसाइटों की निगरानी और ब्लॉक करने की शक्तियाँ

प्रायोगिक कार्य : **30 घंटे**

- ब्लॉग निर्माण एवं लेखन।
- हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का स्वरूप और सामग्री की दृष्टि से अध्ययन और समीक्षा।
- किसी वेब पोर्टल की सामग्री का विश्लेषण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।

- **ऑनलाइन मीडिया संबंधित केस स्टडी का अध्ययन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।**
- **मल्टीमीडिया के प्रयोग से विविध डिजिटल डिवाइस पर कंटेंट बनाना।**
- **सामाजिक संदेशों के लिए ट्विटर का प्रयोग और सामग्री पर ऑनलाइन मीडिया हेतु रिपोर्ट तैयार करना।**
- **वेबसाइट डिजाइन करना और कंटेंट बनाना।**

सहायक पुस्तकें :

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
2. ऑनलाइन पत्रकारिता, हर्ष देव, सम सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. ऑनलाइन जर्नलिज्म, तपस रे, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
4. ऑनलाइन जर्नलिज्म-प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिस फॉर दि वेब, जिम फोस्ट, रुठलेस प्रकाशन
5. द एलिमेंट्स ऑफ ऑनलाइन जर्नलिज्म, आरजी रोजेल्स, यूनिवर्स प्रेस, यूके
6. साइबर क्राइम : इंपैक्ट इन द मिलेनियम, आरसी मिश्रा, ऑथर प्रेस
7. ब्लॉग्स : इमर्जिंग कम्युनिकेशन मीडिया, डी. सतीश एंड राजेश प्रभाकर कालिया, द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी प्रेस

Community outreach (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
Community Outreach	2			2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

5. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
6. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
7. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
8. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

5. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
6. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
7. मीडिया व्यावसाय का व्यवहारिक कौशल विकसित होगा।
8. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

Syllabus : **120 घंटे**

11. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
12. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
13. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
14. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।
15. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
16. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।

17. समाज के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।

18. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में **विभिन्न मीडिया** गतिविधियों को कार्यान्वित करना।

19. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।

20. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

फील्ड वर्क सेमेस्टर में :

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) समूह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

नोट : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम केलिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रयोगिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर केसाथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था होनी चाहिए।

REGISTRAR